सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

टी20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंका के लिए बुरी खबर, स्टार पेज: 7

वाराणसीके अलावा इस भारतीय फिल्म से जुड़ रही पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 302 | बुधवार 11 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

-तीव्रता 3.1 मापी गई, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं। खिसकने के दौरान जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो उससे पैदा होने वाली ऊर्जा ही भूकंप के रूप में सतह को हिला देती है। बता दें भूकंप के झटके महसूस होते ही तुरंत घर से बाहर किसी खुले मैदान में निकल जाएं। यदि बाहर निकलना मुमकिन न हो तो किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे छिप जाएं। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सीढ़ियों का प्रयोग करें लिफ्ट का इस्तेमाल जानलेवा हो सकता है। बिजली के खंभों, पेड़ों और कांच की खिड़कियों से दूर खड़े हों।

देहरादून में आईएमए के पास विवादित जमीन पर सियासी तकरार तेज

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के धौलास इलाके में इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) के पास करीब 20 एकड़ जमीन को लेकर नया विवाद उभरा है। इस जमीन को कथित तौर पर एक इस्लामिक एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के लिए आवंटित किया गया था। अब बताया जा रहा है कि यह जमीन छोटे-छोटे रिहायशी प्लॉट में बांटी जा रही है, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से खतरा पैदा हो सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अगर सत्ता में होती तो मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की दिशा में काम करती। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मामला 2004 का है, जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री थे। उनका तर्क है कि इसके बाद भाजपा कई बार सत्ता में रही और इसे रोक सकती थी। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने कहा कि यह मामला कांग्रेस की खतरनाक साज़िश को उजागर करता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तिवारी सरकार के दौरान दी गई जमीन हरीश रावत की देख-रेख में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए आवंटित थी। चमोली ने यह भी कहा कि अब जमीन पर लैंड माफिया कब्ज़ा कर रहे हैं। विकासनगर सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट विनोद कुमार की शुरुआती जांच में पाया गया कि जमीन को रिहायशी प्लॉट में बदलने से आईएमए की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। जमीन विवाद राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर गरमा गया है। सरकार ने सख्त कार्रवाई का संकेत दिया है, जबकि कांग्रेस इसे पुराना मामला बताते हुए अपनी जिम्मेदारी कम करती दिख रही है।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का बुलडोजर, पुलिस फोर्स तैनात

रामपुर (एजेंसी)। शहजादनगर के तहसील सदर क्षेत्र में कृषि भूमि गाटा संख्या 198 पर अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इस भूमि के काश्तकारों और कुछ प्लाटिंग एजेंटों ने भूमि को आकर्षक घोषित किए बिना अवैध निर्माण शुरू कर दिया था। भूमि को आकर्षक घोषित करने के लिए उप जिलाधिकारी न्यायालय में शक्कन खां आदि बनाम सरकार के अंतर्गत मामला दायर किया गया था, जिसे तीन नवंबर 2021 को निरस्त कर दिया गया। इसके बावजूद भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। सिविल लाइंस निवासी इमरान खां ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवैध निर्माण की शिकायत की। जांच के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान भीड़ जमा हो गई। शहजादनगर थाने की पुलिस ने मौके पर तैनाती कर नियंत्रण किया।

गड्ढे में गिरे युवक के मुंह और नाक में भर गई मिट्टी, दम घुटने से गई जान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में गड्ढे में गिरने से युवक की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमॉर्टम से जुड़े शुरुआती निष्कर्ष में युवक कमल ध्यानी की मौत का कारण ट्रॉमेटिक एस्फिक्सिया बताया गया है। हालांकि पुलिस सूत्रों ने बताया कि मौत की असल वजह की पुष्टि आधिकारिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कमल ध्यानी बाइक लेकर गड्ढे में गिर गया था। गड्ढे में मौजूद मिट्टी उसके मुंह और नाक में चली गई, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हुई और दम घुट गया। इसके अलावा, छाती पर भारी दबाव के संकेत भी मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वाहन या वस्तु के गिरने से यह दबाव पड़ा हो सकता है। पोस्टमॉर्टम में मृतक की दाहिनी जांघ पर जलने के निशान भी पाए गए हैं। डॉक्टरों का अनुमान है कि यह निशान बाइक के साइलेंसर के साथ लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण बने होंगे। डॉक्टरों का कहना है कि यह मामला दुर्घटनावश मौत का प्रतीत होता है, लेकिन मौत के समय और तरीके को लेकर अंतिम राय गहन जांच के बाद ही दी जाएगी। इस बीच, जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली जल बोर्ड की तरफ से सीवर लाइन बिछाने का ठेका पाने वाली निजी कंपनी के मैनेजर को हादसे की जानकारी थी, लेकिन उसने भी पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसियों को इसकी सूचना नहीं दी। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वह इस मामले में हादसे की जानकारी रखने वाला छठा व्यक्ति था। पुलिस पहले ही ठेकेदार हिमांशु गुप्ता, सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश कुमार प्रजापति, मजदूर योगेश, सुरक्षा गार्ड देशराज और राहगीर विपिन सिंह की भूमिका की पहचान कर चुकी है। पुलिस के मुताबिक एक फोन कॉल में प्रजापति ने कंपनी के डायरेक्टर हिमांशु और प्रोजेक्ट मैनेजर को हादसे की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस को सूचना नहीं दी गई। इस मामले में राजेश कुमार, प्रजापति और योगेश को गिरफ्तार किया जा चुका है।

डिजिटल भारत के साथ साइबर सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती, साइबर अपराध के खिलाफ सभी एजेंसियां एकजुट: अमित शाह

गृह मंत्री ने बताया कि जनवरी 2019 में गृह मंत्रालय द्वारा आई4सी की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि आई4सी ने एक मजबूत और प्रभावी साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है। इसने विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया, देश के कई हिस्सों में आवश्यक साइबर ढांचा विक-

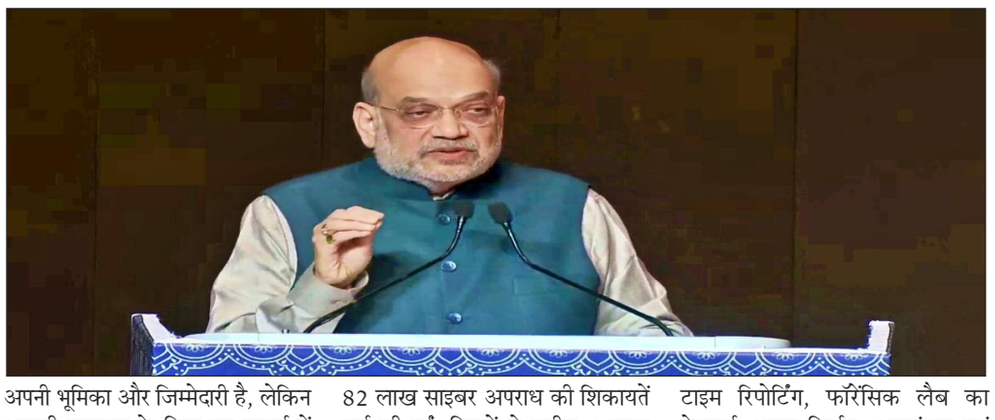

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि साइबर अपराध के खिलाफ एक मजबूत, समन्वित और तकनीक-सक्षम तंत्र की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियां, राज्य पुलिस और अन्य संस्थान मिलकर काम कर रहे हैं। गृह मंत्री साइबर-आधारित धोखाधड़ी से निपटना और इसके तंत्र को समाप्त करना विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सभी प्रमुख संस्थान साइबर अपराध रोकने में जुटे अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी), राज्य पुलिस, सीबीआई, एनआईए, ईडी, दूरसंचार विभाग, बैंकिंग प्रणाली, आईटी मंत्रालय, आरबीआई और न्यायपालिका जैसे संस्थान साइबर अपराध को रोकने और कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर एजेंसी की अपनी भूमिका और जिम्मेदारी है, लेकिन आपसी समन्वय के बिना इस लड़ाई में सफलता संभव नहीं है। आई4सी पोर्टल का बढ़ा उपयोग, लाखों शिकायतें दर्ज गृह मंत्री ने बताया कि जनवरी 2020 से 2025 के बीच आई4सी के साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल का व्यापक स्तर पर उपयोग हुआ है। 30 नवंबर 2025 तक इस पोर्टल का 23 करोड़ से अधिक बार इस्तेमाल किया गया। इसी अवधि में 82 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से करीब 1 लाख 84 हजार शिकायतें एफआईआर में बदली गईं और कई मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा भी किया गया। साइबर अपराध के खिलाफ बहुआयामी रणनीति पर काम अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध से निपटने के लिए काफी पहले ही एक व्यापक रणनीति अपनाई है। इसमें रियल-टाइम रिपोर्टिंग, फॉरेंसिक लैब का नेटवर्क, क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास, साइबर जागरूकता को समाज तक पहुंचाना और साइबर स्पेस में साइबर हाइजीन सुनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इन सभी प्रयासों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ही एक सुरक्षित और मजबूत साइबर तंत्र बनाया जा सकता है। आई4सी ने खड़ा किया मजबूत साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर गृह मंत्री ने बताया कि जनवरी 2019 में गृह मंत्रालय द्वारा आई4सी की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि आई4सी ने एक मजबूत और प्रभावी साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया है। इसने विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया, देश के कई हिस्सों में आवश्यक साइबर ढांचा विकसित किया और साइबर अपराधियों के खिलाफ ठोस कदम उठाए हैं। डिजिटल क्रांति के साथ बढ़ी साइबर चुनौतियां अमित शाह ने कहा कि 11 साल पहले देश में करीब 25 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर 100 करोड़ हो चुके हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शनों में 16 गुना वृद्धि हुई है और इनकी संख्या 100 करोड़ से अधिक हो गई है। उन्होंने बताया कि 1 जीबी डेटा की कीमत में 97% की कमी आई है, जिससे डिजिटल कनेक्टिविटी और उपयोग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। यूपीआई और डिजिटल ट्रांजेक्शन में भारत की वैश्विक बढ़त गृह मंत्री ने कहा कि भारतनेट से जुड़ी पंचायतों की संख्या 11 साल पहले 546 थी, जो अब बढ़कर 2 लाख हो गई है। यूपीआई के तहत वर्ष 2024 में 233 ट्रिलियन भारतीय रुपए मूल्य के 181 बिलियन डिजिटल लेन-देन किए गए। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर दूसरा डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहा है। वर्ष 2024 में भुगतान प्रणाली के कुल 97% ट्रांजेक्शन डिजिटल थे और वॉल्यूम के हिसाब से 99% लेन-देन डिजिटल माध्यम से हुए। साइबर धोखाधड़ी की साझा समझ विकसित करना सम्मेलन का लक्ष्य सम्मेलन

पक्षियों को दाना खिलाना पड़ा महंगा, बुजुर्ग महिला पर लगा 2.27 लाख का जुर्माना

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसी खबर तेजी से सुर्खियां बटोर रही है, जिसने पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम और देश के कड़े कानूनों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। मामला सिंगापुर का है, जहां एक 71 साल की बुजुर्ग महिला को बार-बार जंगली पक्षियों, विशेषकर कबूतरों को दाना खिलाने के कारण भारी-भरकम आर्थिक दंड भुगतना पड़ा है। यह खबर जैसे ही सार्वजनिक हुई, इंटरनेट पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। जहां कुछ लोग इसे कानून की अति मान रहे हैं, वहीं कई लोग सार्वजनिक स्वच्छता और नियमों के पालन के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं।

पूरा मामला सिंगापुर की निवासी सन्मुगमनाथन शमला से जुड़ा है।

अदालत ने उन पर 3,200 सिंगापुर डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 2 लाख 27 हजार रुपये होते हैं, का जुर्माना लगाया है। महिला पर यह कार्रवाई वाइल्डलाइफ एक्ट के उल्लंघन के तहत की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, महिला ने अदालत में अपने ऊपर लगे चार आरोपों को स्वीकार कर लिया, जबकि इसी तरह की पांच अन्य घटनाओं को भी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान संज्ञान में लिया गया। प्रशासन का तर्क है कि जंगली पक्षियों को इस तरह दाना खिलाने से न केवल इलाके में गंदगी फैलती है, बल्कि इससे पारिस्थितिक संतुलन भी बिगड़ता है और पक्षियों की आबादी अनियंत्रित रूप से बढ़ सकती है। हैरानी की बात यह है कि यह महिला के खिलाफ की गई पहली कार्रवाई नहीं थी। इससे पहले मई 2025 में भी उन्हें इसी कृत्य के लिए 1,200 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा था। उस दौरान महिला ने अदालत में भविष्य में ऐसा न करने का लिखित वादा भी किया था। लेकिन सरकारी रिकॉर्ड और सबूतों के अनुसार, उन्होंने अपने वादे को दरकिनार करते हुए महज एक महीने के भीतर फिर से पक्षियों को दाना खिलाना शुरू कर दिया।

ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन, भगवान राम से ज्यादा ओवैसी का नाम लेते हैं

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर बोला तीखा हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि बीजेपी एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी को भगवान राम से भी ज्यादा अहमियत देती है और चुनाव जीतने के लिए ओवैसी का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा है कि ओवैसी ही बीजेपी के असली लाइफलाइन हैं। रेड्डी ने कहा कि यह बीजेपी का इतिहास है। अगर आप इसे एनालाइज करें, तो उनके लिए सिर्फ एक ही भगवान हैं, असदुद्दीन ओवैसी। वे यूं ही भगवान राम का नाम लेते हैं, लेकिन वे हर दिन जिसके आगे झुकते हैं, वह असदुद्दीन ओवैसी हैं। उनकी लाइफलाइन असदुद्दीन ओवैसी हैं। देखिए वे कितनी बार राम को याद करते हैं और कितनी बार ओवैसी का नाम लेते हैं। इसकी पड़ताल होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि बीजेपी ओवैसी को अलादीन के चिराग की तरह इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि हर बार वे ओवैसी को अलादीन का जादुई चिराग बनाकर वोट मांगते हैं। आखिर सरकार तो आपकी ही है ना? अगर ओवैसी इतने विलेन हैं, तो आप उन्हें कंट्रोल क्यों नहीं कर पा रहे हैं? रेड्डी ने एआईएमआईएम की निंदा के लिए भी बीजेपी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी में एआईएमआईएम भी एक पॉलिटिकल पार्टी है जो चुनाव लड़ती है। जहां वे जीतते हैं, जीतते हैं। जहां वे हारते हैं, हारते हैं। उन्होंने गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और यहां तक ??कि पश्चिम बंगाल में भी चुनाव लड़ा, जहां उन्होंने पांच सीटें जीतीं हैं। वे भी एक पॉलिटिकल ऑर्गनाइजेशन हैं, एक पॉलिटिकल पार्टी हैं, लेकिन आप कब तक उनके नाम पर वोट मांगते रहेंगे? धार्मिक नफरत भड़काकर, कुछ पॉलिटिकल पार्टियों के नेताओं को राक्षस बताकर और उसके जरिए पॉलिटिकल रूप से जिंदा रहने की कोशिश करना आइडियोलॉजिकल गरीबी की हद है। तेलंगाना के लोगों को सोच समझ कर वोट देना चाहिए।

एसआईआर के दौरान हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, डीजीपी से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

-पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकियों का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ड्यूटी के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ कथित हिंसा और धमकियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे पर जवाब न देने को लेकर डीजीपी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

अदालत ने यह निर्देश उस समय दिया, जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने पीठ का ध्यान चुनाव आयोग के हलफनामे की ओर दिलाया। इस हलफनामे में पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गंभीर अनियमितताओं, धमकियों और हिंसा के आरोप लगाए गए हैं। आयोग ने दावा किया है कि राज्य में अन्य राज्यों की तुलना में भय और दबाव का माहौल कहीं अधिक है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। सुनवाई के

दौरान सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में डराने-धमकाने, बाधा डालने और भ्रामक सूचनाएं फैलाने की घटनाएं सामने आई हैं। हलफनामे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी भड़काऊ भाषण देने और भय का वातावरण बनाने के आरोप लगाए गए हैं। आयोग का कहना है कि इस तरह के बयानों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे चुनाव अधिकारियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

चुनाव आयोग ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया है कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बड़ी संख्या में फॉर्म-7 जलाए गए। इसके अलावा, पंचायत भवनों में सुनवाई के लिए पहुंचे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ हिंसा की घटनाएं हुईं। आयोग के अनुसार, कई अधिकारियों को लोकतांत्रिक दायित्व निभाते समय अपनी जान का खतरा महसूस हुआ, जिससे वे भय के साए में काम करने को मजबूर हुए। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीर मानते हुए राज्य पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि चुनाव जैसी संवैधानिक प्रक्रिया में लगे अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। यदि इस दायित्व में चूक हुई है, तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

पीठ ने स्पष्ट किया कि डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से यह बताना होगा कि चुनाव आयोग के आरोपों पर अब तक क्या कार्रवाई की गई और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए। अदालत ने संकेत दिए कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे और सख्त निर्देश भी दिए जा सकते हैं। अब इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन के जवाब पर सबकी नजर टिकी हुई है।

सुकमा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद, 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी दोहरी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को एक विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने न केवल नक्सलियों के एक गुप्त ठिकाने का भंडाफोड़ किया, बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी जब्त की। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायगुडेम गांव के पास स्थित पहाड़ी जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने 65 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (बीजीएल) सेल और कमर पर बांधी जाने वाली दो विशेष थैली बरामद कीं। इतनी बड़ी संख्या में बीजीएल सेल की बरामदगी को सुरक्षाबल नक्सलियों की किसी बड़ी और घातक साजिश की विफलता के रूप में देख रहे हैं।

इस सैन्य सफलता के साथ-साथ

बस्तर संभाग में एक ऐतिहासिक रणनीतिक कामयाबी भी देखने को मिली है। सुकमा और बीजापुर जिलों में कुल 51 सक्रिय नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 1.61 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह जड़ से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अधिकारियों का मानना है कि नक्सलियों के इस सामूहिक आत्मसमर्पण के पीछे हाल ही में शीर्ष नक्सली नेता एल. प्रभाकर राव का खात्मा एक बड़ा कारण रहा है। अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में प्रभाकर राव और उसके छह साथियों के मारे जाने के बाद नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट गया है। राव को एक खतरनाक एंबुश रणनीतिकार माना जाता था, जिसकी मौत ने नक्सली संगठन के ढांचे को कमजोर कर दिया है। बस्तर रेंज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 2,400 से अधिक नक्सली हथियार डाल चुके हैं। सरकार की पूना मारगेम (नई राह) और नियद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) जैसी पुनर्वास योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। इन पहलों के माध्यम से प्रशासन अब उन दुर्गम इलाकों तक सीधी पहुंच बना रहा है, जहाँ कभी नक्सलियों का दबदबा हुआ करता था। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने इलाके में चौकसी और अधिक बढ़ा दी है और आसपास के जंगलों में गहन तलाशी अभियान जारी है ताकि बचे हुए नक्सलियों पर दबाव बनाया जा सके।

12 फरवरी को 35 साल बाद बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा... भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। इसके बाद 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जाहिर है। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं।

भारत और बांग्लादेश की बॉर्डर पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच तनाव बढ़ा, तस्करी और बाड़ को लेकर बहस हुई। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना।

दोनों देशों के बड़े नेताओं और अधिकारियों ने आपस में सीधे बात करना शुरू किया, इससे पुराने तनाव धीरे-धीरे कम होने लगे। 2025 में कराची और चटगांव के बीच कॉर्गो जहाज फिर से चलने लगे, जिससे समुद्री व्यापार आसान हुआ। 2026 की शुरुआत में ढाका और कराची के बीच कई साल बाद सीधी फ्लाइट्स शुरू हुईं। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने वीजा के नियम आसान करने पर बात की, खासकर सरकारी काम से आने-जाने वालों के लिए। अंतरराष्ट्रीय बैठकों में पाकिस्तान और बांग्लादेश कई मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए, जिससे तालमेल बढ़ा।

चीन से और करीबी बढ़ी

2025 में बांग्लादेश के नेताओं और चीन के राष्ट्रपति की मुलाकात हुई, जिसमें रिश्तों को और आगे बढ़ाने पर खुलकर बात हुई। दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और निवेश से जुड़े समझौतों पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया। चीन ने बांग्लादेश से आने वाले ज्यादातर सामान पर टैक्स नहीं लगाने की सुविधा आगे भी जारी रखने की बात कही। रक्षा के मामले में भी दोनों देश करीब आए और ड्रोन व दूसरी सैन्य तकनीक से जुड़े समझौते किए गए। बांग्लादेश का आम चुनाव तय करेगा कि देश आगे भारत के करीब रहेगा या पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकेगा। इससे साउथ एशिया का पावर बैलेंस बदल सकता है। इसी वजह से इस चुनाव को बेहद अहम माना जा रहा है। बांग्लादेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लगभग चारों तरफ से घेरता है। भारत का नॉर्थ-ईस्ट सिलीगुड़ी कॉरिडोर के जरिए भारत से कनेक्ट होता है। इसके बाद बांग्लादेश की भूमिका भारत के लिए कनेक्टिविटी, सुरक्षा और सप्लाई लाइनों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हो जाती है।

दूसरी बड़ी वजह है भारत-चीन की रणनीतिक खींचतान। चीन पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश में बंदरगाह, सड़क, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर चुका है। बांग्लादेश अगर चीन के ज्यादा करीब जाता है, तब यह भारत के लिए सीधा रणनीतिक झटका होता है, खासकर बंगाल की खाड़ी और इंडियन ओशन रीजन में। बांग्लादेश की समुद्री सीमा इस इलाके को रणनीतिक रूप से बहुत अहम बना देती है। यह इलाका ग्लोबल शिपिंग, एनर्जी रूट्स और नौसैनिक गतिविधियों के लिए बेहद संवेदनशील है।

संपादकीय

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर ह्यलिबरेशन डे टैरिफह्ल को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर-टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है। बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं। उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं। अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू-राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

पं .दीनदयाल उपाध्याय सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक थे

मुकेश तिवारी

विलक्षण प्रतिभा के धनी दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को उत्तर प्रदेश के ग्राम नगला चन्द्र भान में हुआ था।हालकि परिवारिक कारणों से उनका बचपन अपने नाना चुन्नीलाल के घर ग्राम धनकिया में बीता। जब नाना नौकरी छोड़कर गुडकी मंडई आ गए तो वे भी अपने नाना के साथ
गुडकी मंड ई आ गए।हालांकि दिनदयाल जी के 9वर्ष की आयु पूरी होने के बाबजूद उनके अध्ययन की कोई माकूल व्यवस्था नहीं थी अत वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो गगापुर में रेलवे स्टेशन पर कार्यरत थे।
?गंगा पुर आने के पश्चात ही उनकी सुचारू रुप से शिक्षा प्रारंभ हो सकी।गंगा पुर में वे चार सालों तक रहे।क्योकि गंगापुर में इससे आगे पढाई की व्यवस्था नहीं थी।ऐसी स्थिति में 2 जून 1929 को कोटा के एक स्कूल में दखिला लेना पडा। वे यहाँ सेल्फ सपोटिग हाउस में रहते थे।कक्षा 5 से 7 तक की परीक्षा उन्होंने प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की। इसके पश्चात उन्हें राजगढ़ आना पडा।
उन्होंने 8 वी कक्षा के राजगढ़ में दखिला लिया। 8 वी कक्षा मेंछऔठट शानदार अकों से उतीर्ण होकर जब वो 9 वी कक्षा में गए तो उनकी कबलियत के चलते 10 वी कक्ष के छात्र उनसे गणित के सवाल हल करवाने के लिए उनके पास आते थे। सीकर के कल्याण स्कूल से 10 की परीक्षा प्रथम श्रेणी श्रेणी से उतीर्ण करने के पश्चात 1937 में पिलानी से इंटरमीडिएट की परीक्षा में वे सवप्रथम रहे। तत्कालीन सीकर के महाराज कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया 10 रुपए माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तक एवं आदि के लिए 250 रुपए की राशि पारितोषिक के रूप में दी गई । उन दोनों पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र था । दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935 में पिलानी चले गए 1937 में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में बैठे और न केवल समस्त बोर्ड में प्रथम रहे सभी विषयों में विशेष योग्यता के अंक प्राप्त किए । बिरला कॉलेज के वे प्रथम छात्र थे जिसने इतने सम्मानजनक अकों में परीक्षा पास की थी। सीकर महाराज के समान ही घनश्याम दास बिड़ला ने एक स्वर्ण पदक 10 रुपये मासिक छात्रवृत्ति तथा पुस्तक आदि के खर्चे के लिए 250 रुपए प्रदान किए।
इसी वर्ष बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर गए यह रामा मंडी में किराए के मकान में रहे। 2 वर्ष तक यहां रहकर 1941 में मात्र 25 बर्ष की आयु में बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए। 25वर्ष की आयु तक दीनदयाल राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कम से कम ग्यारह स्थानो पर कुछ समय तक रहे।इसके साथ ही उनका प्रवेश , सार्वजनिक जीवन में हो गया है!
कानपुर में अध्ययन करते समय अपने सहपाठी कालू जी महाशब्दे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए।कानपुर में ही पहली बार उनकी संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार जी से मुलाकात हुई।बाबा साहेब आपटे के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ठहरा करते थे। उनकी इस दौरान अनेक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होती थी। दीनदयाल उपाध्याय जी ने वीर सावरकर के कानपुर प्रवास के दौरान उन्हे शाखा में आमंत्रित करके उनसे बौद्धिक वर्ग करवाया।कानपुर के सुन्दर भंडारी भी दीनदयाल जी के सहपाठी थे।
संघ के शारीरिक कार्यक्रम को दीनदयाल जी भले ही ठीक तरह से नहीं कर पाते थे लेकिन बौद्धिक परीक्षा में सदैव अव्वल रहते थे।वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे। पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए अपने वतन की सेवा के व्रत के परायण में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1964को ग्वालियर में भारतीय जनसंघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अधिवेशन में एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया ,वह जीवन के सभी सुखो का मूल मंत्र है ।यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा ।यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है ।पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़े रखता है।
पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं बल्कि एक सहृदय अग्रज.आत्मीय मित्र.और मार्गदर्शक की है.हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे.आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है हमारे जहन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला।
कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए.वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्दि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे।
पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, पंडित उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था,
फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए ,जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा,
एम ए उतरार्द्ध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए ।उनकी अध्ययनशीलता सार्वजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका श्रषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा। भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूर्ण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे। किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणों से पता चलती है, राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है। उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पड़ते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ़ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए, यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है। उसका दृष्टिकोण एकात्मक वादी है। टुकड़ों में विचार करना विशेषज्ञ की दृष्टि से उचित हो सकता है लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से यह कतई उपयुक्त नहीं है पश्चिम की समस्या का मुख्य कारण उसका जीवन के संबंध में सतही ढंग से विचार करना है। दीनदयाल जी का मानना था कि स्वराज प्राप्त करते ही हम स्व की भावना विस्मित कर बैठे तथा विदेशी विचारधारा हमारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई। आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाए, बिना उसके स्वराज का कोई अर्थ नहीं है स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन मात्र नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्तियों का ज्ञान नहीं हो सकता और ना ही उसका विकास ही संभव है,हम स्वर की भावना किस मत कर बैठे हैं विदेशी विचारधारा मारे आकर्षण और अनुकरण का केंद्र बन गई आज आवश्यकता है कि अपने स्व का परिचय किया जाये कर विनाश के स्वराज का कोई अर्थ नहीं है, स्वतंत्रता हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती जब तक हमें अपनी हकीकत का पता नहीं तब तक हमें अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं हो सकता और नहीं उसका विकास ही संभव है।

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास!

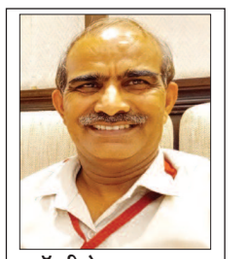

डॉ श्रीगोपाल नारसन

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है।
लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ह्बोलने की इजाजत नहीं देनेह्ल, साथ ही कांग्रेस की महिला सांसदों पर सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया है।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य कई सांसद नोटिस सौंपने वालो में शामिल है।लोकसभा की प्रक्रिया और आचरण के मानदंडों के नियम 198 के अनुसार, विपक्ष को लोकसभा में मतदान से पहले अविश्वास प्रस्ताव के अपने अनुरोध के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।अविश्वास प्रस्ताव की पूरी प्रक्रिया लोकसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन प्रणाली के नियम 198 (1) से नियम 198 (5) तक के तहत पूरी की जाती है।इस प्रक्रिया के तहत नियम 198 (1) (क) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश करने वाले सांसद को पहले स्पीकर के जरिये सदन की अनुमति लेनी पड़ती है।सदन की अनुमति के लिए नियम 198 (1) (ख) के मुताबिक, प्रस्ताव की जानकारी सुबह 10 बजे से पहले लोकसभा के महासचिव को देनी पड़ती है।नियम 198 (2) के तहत प्रस्ताव के साथ सांसद को 50 सांसदों के समर्थन वाले हस्ताक्षर दिखाने होते हैं।नियम 198 (3) के तहत लोकसभा अध्यक्ष से प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद उस पर चर्चा का दिन तय होता है। चर्चा प्रस्ताव पेश होने के 10 दिन के अंदर करानी होती है।नियम 198 (4) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के अंतिम दिन लोकसभाध्यक्ष वोटिंग कराते हैं और उस आधार पर फैसला होता है।नियम 198(5) के तहत लोकसभा अध्यक्ष को टिप्पणी के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है ।अब तक लोक सभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं।लोक सभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ जे बी कृपलानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट पड़े थे।लेकिन सन 1978 में लाये गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई सरकार को गिरा दिया था।अब तक सबसे ज्यादा 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ रखे थे।सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गये थे।इसके अलावा पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने तीन-तीन बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गाँधी सरकार और दूसरी बार पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था ।संयोग की बात है कि अटल सरकार के खिलाफ भी दो बार सन1996 व सन1998 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वे दोनों बार हार गये थे।सन 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था,लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप हैं कि वो विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं।हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है।
अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे मोशन ऑफ रिमूवल कहा जाता है।इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष मावलंकर के खिलाफ ये प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विग्नेश्वर मिसिर ये प्रस्ताव लाए थे।इस प्रस्ताव पर करीब दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था।
सन1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ दूसरा प्रस्ताव सन 1966 में लाया गया।लोकसभा अध्यक्ष सरदार हुकम सिंह के खिलाफ ये प्रस्ताव था।वहीं तीसरी बार सन1987 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, ये प्रस्ताव तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ लाया गया था।पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह ये अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था।अब देखना यह है कि यह अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है।इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है।फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नही लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी,बाकी आने वाला वक्त बताएगा।
(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

सदन ठप, सवाल अनुत्तरित लोकतंतकी कसौटी पर कांग्रेस का रवैया

संसद का बजट सत्र देश की आर्थिक दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण मंच होता है, लेकिन जब यही मंच हंगामे, नारेबाजी और रणनीतिक अवरोध का अखाड़ा बन जाए, तो सवाल सिर्फ कार्यवाही के ठप होने का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के क्षरण का भी उठता है। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, प्रश्नकाल का बार-बार स्थगन और विपक्ष का निरंतर विरोध, इसी चिंता को गहरा करता है। इस पूरे परिदृश्य में कांग्रेस की भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।
लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है। बजट सत्र के लगातार दिनों तक बाधित रहने से आम जनता के मुद्दे, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और विकास से जुड़े सवाल पीछे छूट जाते हैं। कांग्रेस, जो स्वयं को लोकतंत्र की प्रहरी बताती है, यदि उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करती दिखे, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।
लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई असाधारण बात नहीं है। संसदीय इतिहास में यह प्रक्रिया पहले भी अपनाई गई है। लेकिन इस कदम का औचित्य तभी बनता है, जब यह संसदीय मयार्दा और ठोस तर्कों के साथ उठाया जाए। मौजूदा मामले में विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। यदि यह सच है, तो इसका समाधान भी संसदीय संवाद और नियमों के तहत होना चाहिए। सदन के भीतर नारेबाजी, वेल में आकर हंगामा और बार-बार कार्यवाही ठप कराना, किसी भी तरह से समाधान नहीं है।
कांग्रेस का रवैया यहां विरोध से अधिक टकराव का नजर आता है। राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर पूरा सत्र बाधित करना, जबकि देश की आर्थिक नीतियों पर चर्चा लंबित हो, यह दशार्ता है कि पार्टी प्राथमिकताओं को लेकर भ्रमित है। लोकतंत्र में व्यक्ति से बड़ा संस्थान होता है। संसद किसी एक नेता का मंच नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आवाज का प्रतिनिधि सदन है। यदि किसी नेता को बोलने में आपत्ति है, तो उसके लिए नियम, अध्यक्ष और संसदीय समितियां मौजूद हैं। सत्र को ही ठप कर देना, लोकतांत्रिक दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हठधर्मिता है।
कांग्रेस का इतिहास बताता है कि जब वह सत्ता में रही, तब विपक्ष की आवाज को दबाने के आरोप उस पर भी लगे। ऐसे में आज नैतिक ऊंचाई का दावा करना, बिना आत्मालोचना के, खोखला लगता है। संसदीय परंपराएं दोतरफा जिम्मेदारी मांगती हैं। सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए, लेकिन विपक्ष का भी कर्तव्य है कि वह सदन की गरिमा बनाए रखे। हाथ जोड़कर बजट पर चर्चा की अपील करना किसी मंत्री की कमजोरी नहीं, बल्कि संसदीय परंपरा को बचाने का प्रयास है। इसके बावजूद हंगामा जारी रहना, कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को उजागर करता है।
स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी कांग्रेस की रणनीति अस्पष्ट दिखती है। एक ओर प्रस्ताव का नोटिस दिया जाता है, दूसरी ओर प्रमुख नेता खुद उस पर हस्ताक्षर नहीं करते। यह दोहरा संदेश पार्टी की आंतरिक असमंजस को दशार्ता है। यदि स्पीकर सचमुच पक्षपात कर रहे हैं, तो पार्टी को एकजुट और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था। लेकिन यहां यह कदम अधिक प्रतीकात्मक विरोध जैसा प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाना है। संसद में महिला सांसदों के साथ हुई घटनाओं, बैनर और पोस्टर की राजनीति, और पुस्तक विवाद जैसे मुद्दों को जिस तरह तूल दिया गया, उसने मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल दिया। देश महंगाई, रोजगार, वैश्विक व्यापार और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्पष्ट बहस चाहता है। लेकिन कांग्रेस का फोकस बार-बार ऐसे विवादों पर रहा, जिनसे सदन का समय नष्ट हुआ। यह रवैया न तो विपक्ष की परिपक्वता दिखाता है और न ही लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता।
लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन रचनात्मक विरोध उससे भी अधिक जरूरी है। कांग्रेस यदि सचमुच जनता की आवाज बनना चाहती है, तो उसे सड़क की राजनीति को संसद के भीतर दोहराने से बचना होगा। संसद संवाद का मंच है, संघर्ष का नहीं। यहां तर्क, तथ्य और नीति से सरकार को घेरा जाता है, न कि शोर और अवरोध से। हर बार सदन ठप कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इससे न तो जनता का भरोसा बढ़ता है और न ही लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।
अंततः सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या हारा, बल्कि यह है कि संसद चली या नहीं। बजट सत्र का समय अमूल्य होता है। इसे बाधित कर कांग्रेस ने न सिर्फ सरकार को, बल्कि देश को नुकसान पहुंचाया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता को असहज करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाना है। इसके लिए सदन का चलना अनिवार्य है। यदि कांग्रेस इस मूल सिद्धांत को नहीं समझती, तो उसका विरोध लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि अवरोधकारी राजनीति के रूप में ही देखा जाएगा।
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

दुखी चित्त के लक्षण हैं उत्सव

दुनिया में दो ही तरह के लोग हैं- एक वे जो अपने को नया करने का राज खोज लेते हैं, और एक वे जो अपने को पुराना बनाए रखते हैं और चीजों को नया करने में लगे रहते हैं। भौतिकवादी और आध्यात्मवादी में एक ही फर्क है। आध्यात्मवादी रोज अपने को नया करने की चिंता में संलग्न है। क्योंकि उसका कहना यह है कि अगर मैं नया हो गया तो इस जगत में मेरे लिए कुछ भी पुराना न रह जाएगा। क्योंकि जब मैं ही नया हो गया तो पुराने का स्मरण करने वाला भी न बचा, पुराने को देखने वाला भी न बचा, हर चीज नई हो जाएगी। और भौतिकवादी कहता है कि चीजें नई करो, क्योंकि स्वयं के नए होने का तो कोई उपाय नहीं है। नया मकान बनाओ, नई सड़कें लाओ, नए कारखाने, नई सारी व्यवस्था करो। उत्सव हमारे दुखी चित्त के लक्षण हैं। चित्त दुखी है वर्ष भर, एकाध दिन हम उत्सव मना कर खुश हो लेते हैं। वह खुशी बिल्कुल थोपी गई होती है। क्योंकि कोई दिन किसी को कैसे खुश कर सकता है? दिन! अगर कल आप उदास थे और कल मैं उदास था, तो आज दिवाली हो जाए तो मैं खुश कैसे हो जाऊंगा? हां, खुशी का भ्रम पैदा करुंगा। दीये, पटाके, फुलझड़ियां और रोशनी धोखा पैदा करेंगी कि आदमी खुश हो गया। लेकिन ध्यान रहे, जब तक दुनिया में दुखी आदमी हैं, तभी तक दिवाली है। जिस दिन दुनिया में खुश लोग होंगे उस दिन दिवाली नहीं बचेगी, क्योंकि रोज ही दिवाली जैसा जीवन होगा। जब तक दुनिया में दुखी लोग हैं तब तक मनोरंजन के साधन हैं। जिस दिन आदमी आनंदित होगा उस दिन मनोरंजन के साधन एकदम विलीन हो जाएंगे। कभी यह सोचा न होगा कि अपने को मनोरंजित करने वही आदमी जाता है जो दुखी है। इसलिए दुनिया जितनी दुखी होती जाती है उतने मनोरंजन के साधन हमें खोजने पड़ रहे हैं। चौबीस घंटे मनोरंजन चाहिए, क्योंकि आदमी दुखी होता चला जा रहा है। हम समझते है कि जो आदमी मनोरंजन की तलाश करता है, बड़ा प्रफुल्ल आदमी है। ऐसी भूल में मत पड़ जाना। सिर्फ दुखी आदमी मनोरंजन की खोज करता है। और सिर्फ दुखी आदमी ने उत्सव ईजाद किए हैं। पुराने पड़ गए चित्त में, जिसमें धूल ही धूल जम गई है; वह नए दिन, नया साल, इन सबको ईजाद करता है। और धोखा पैदा करता है थोड़ी देर। कितनी देर नया टिकता है? कल फिर पुराना दिन शुरू हो जाएगा। लेकिन एक दिन के लिए हम अपने को झटका देकर जैसे झाड़ देना चाहते हैं सारी राख को, सारी धूल को। उससे कुछ होने वाला नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

बोर्ड परीक्षा-2026 को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन संपन्न कराने के लिए डीएम ने दिए आवश्यक निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकलविहीन, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में आज कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज के राजेंद्र हॉल में जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 12 मार्च 2026 तक संचालित होगी। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी, प्रथम पाली प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 2:00 बजे से 5:15 बजे तक होगी। जनपद में कुल 68 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिनपर हाईस्कूल के 28583 एवं इण्टरमीडियेट के 24694, इस प्रकार कुल 51277 छात्र/छात्रा परीक्षा देंगे। डीएम ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश देते हुए कहा कि छात्र और छात्राओं की तलाशी के लिए अलग-अलग चेकिंग रूम बनाए जाएं, जहां छात्राओं की तलाशी महिला कर्मचारी तथा छात्रों की तलाशी पुरुष कर्मचारी द्वारा की जाए। उन्होंने स्टैटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि कल को केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाएं जांच लें अगर कहीं कोई कमी है तो समय रहते उसको दूर कराएं। बच्चों के लिए पीने के पानी और बैठने की सीट की उचित व्यवस्था की जाए। यदि परीक्षा के दौरान किसी छात्र की तबीयत खराब होती है तो प्राथमिक उपचार की व्यवस्था उपलब्ध रहे, परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त रोशनी, पंखे एवं बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ बिजली कटौती की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रखने को कहा गया। परीक्षार्थियों के सामान रखने के लिए स्टोर रूम बनाए जाने के भी निर्देश दिए गए। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन एवं सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद उनकी सुरक्षा एवं उत्तर पुस्तिकाओं की संपूर्ण जिम्मेदारी केंद्र व्यवस्थापक की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रश्न पत्र निर्धारित तिथि पर उसी विषय का ही खोला जाए। उन्होने कहा कि बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत महत्वपूर्ण अधिकारियों के मोबाइल नम्बर अपने पास रखें। परीक्षा केन्द्रों के अन्दर अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहेगा। सभी संबंधित अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा को नकल विहीन, सुचिता पूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएं। अंत में जिलाधिकारी ने सभी जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं बाह्य केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि उन्हें सौंपे गए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन करते हुए परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराएं। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी तथा नकल करने या कराने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की समस्या आये तो तत्काल हमें सूचित कर सकते है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई गई एल्बेण्डाजोल की गोलियां

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस समस्त सरकारी/प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों के द्वारा, आंगनवाडी सेन्टरों आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा एवं मदरसों में मदरसों के अध्यापकों द्वारा 01 वर्ष से 19 वर्ष के सभी बच्चों को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई गई। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी के द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमरोहा मे बच्चो को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाकर किया गया। इस मोके पर डॉ० योगेन्द्र सिहँ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ० जसकरन सिहँ गंगवार, स्नेहलता प्रधानाध्यापिका जी०जी०आई०सी० अमरोहा, विपुल कुमार डी०ई०आई ०सी० प्रबंधक, मुर्कंरब हुसैन डी०सी०पी०एम०, अहसान अली यू०एच०सी०, याकूब अली डी० एम० एच० सी०, सरिता कन्नोजिया एवं यूनिसेफ से माला कुशवाह व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे। जनपद में कार्यक्रम के सफल कियान्वयन हेतु समस्त सरकारी/ प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों के द्वारा, आंगनवाडी केन्द्रो पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा एवं मदरसों में मदरसों के अध्यापकों द्वारा 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के जनपद में कुल 1067245 बच्चों मे से 03.30 बजे तक लगभग 65 प्रतिशत (मॉनिटरिंग डेटा के अनुसार) बच्चों को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई गई। आज के दिन गोली खाने से छुटे हुये बच्चों को 13 फरवरी 2026 को मोप-अप दिवस मे एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई जावेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमरोहा डॉ० योगेन्द्र सिंह द्वारा बताया गया कि बच्चे बिना हाथ धोए अक्सर कुछ भी खा लेते हैं या नंगे पावं ही संक्रमित स्थानों पर चले जाते है जिससे उनके पेट मे कृमि विकसित हो जाते है यही कृमि एल्बेण्डाजोल की एक खुराक खाने से बच्चों के पेट से बाहर निकल जाते हैं या मर जाते है। जिन बच्चों के पेट में कृमि हो जाते है। वे बच्चे शारिरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर होने लगते है जिसके कारण उनमे धीरे धीरे खून की कमी होने लगती है। इसलिये कृमि से बचाव के लिये एल्बेण्डाजोल की गोली समस्त बच्चों के द्वारा खाई जानी आवश्यक है।

बाल उत्सव प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ हुआ संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में राजकीय इंटर कॉलेज के ग्राउंड में बाल उत्सव झ प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज़िला समन्वयक बालिका शिक्षा मनोज कुमार ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में जिला जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुड़ी जैन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज बालिका की प्रधानाचार्य स्नेहलता उपस्थिति हुई तथा इस मौके पर मोनिका जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मेरे बदलाव की कहानी तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं के लिए जनपद के विभिन्न विद्यालयों से 30-30 बालक-बालिकाओं का चयन कर उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया गया। मेरे बदलाव की कहानी प्रतियोगिता के अंतर्गत पांच छात्र एवं छात्राओं का चयन किया गया। लायबानूर कस्तूरबा बालिका विद्यालय धनोरा, कामिनी कंपोजिट विद्यालय शाहबाजपुर गुर्जर धनोरा, शगीरा कंपोजिट विद्यालय पीला कुंड विकासखंड अमरोहा, बंदना कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हसनपुर, रिकल विकासखंड, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के की अंतर्गत पांच छात्रों का चयन, आरिफा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नगर अमरोहा, कामिनी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय धनोरा, नेहा कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय धनोरा, सृष्टि पीएम श्री विद्यालय पचोकरा जोया, राबिया उच्च प्राथमिक विद्यालय दाऊ सराय, सभी विजेता छात्र-छात्राओं को मनोज कुमार जिला समन्वयक बालिका शिक्षा एवं प्रशांत गुप्ता जिला समन्वयक प्रशिक्षण एवं सत्यवीर सिंह जिला समन्वयक निर्माण के द्वारा द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। विजेता विद्यार्थियों के सुगमकताओं (मार्गदर्शक शिक्षकों) को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता प्रभारी के रूप में शशि दिवाकर अत्यंत महत्वपूर्ण रही कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं एवं उनके अध्यापकों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई। जिला स्तर पर चयनित सभी छात्र-छात्राएं अब मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी, जिससे उनके आत्मविश्वास और प्रतिभा को और व्यापक मंच मिलेगा। यह बाल उत्सव कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वाभिमान, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की क्षमता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ। समाज कल्याण अधिकारी ने बच्चों के भूरी भूरी प्रशंसा की रचनात्मकता की ओर बढ़ने हेतु बच्चों को आगे भी इसी तरह प्रोत्साहित करने के लिए विभाग का खुशी जाहिर के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चियों के द्वारा प्रतिस्पर्धा में प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों की प्रशंसा की जीजीआईसी प्रिंसिपल ने बच्चों के पोस्टर मेकिंग और कॉमिक बुक को अवलोकन कर बच्चों के बीच बढ़ रही रचनात्मकता को लेकर पूरी-पूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम की मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण अधिकारी अमरोहा तथा प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अमरोहा द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग अमरोहा द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम प्रबन्धन के लिए जिला समन्वयक मनोज कुमार के कार्य को सराहा गया है।

हैडलाईन-त्रुटिपूर्ण आवेदनों को छात्रो के स्तर से सही करने की अन्तिम तिथि 13 फरवरी, 2026

अमरोहा (सब का सपना):- निदेशालय पिछड़ा वर्ग कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र संख्या-2073/पि0व0क0/2025-26, दिनांक 26 दिसम्बर, 2025 के साथ संलग्नक अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या 195/2025/3484/ 26-3-2025-1741061 दिनांक 24 दिसम्बर 2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-26 में अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के दशमोत्तर कक्षाओं में (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु समय-सारिणी जारी की गयी है। उक्त समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु तिथियां निर्धारित की गयी हैं। 1.त्रुटिपूर्ण आवेदनों को छात्रो के स्तर से सही करना-: 10 फरवरी, 2026 से 13 फरवरी, 2026 तक 2.सही किये गये आवेदन पत्रों को छात्रों द्वारा संस्था में जमा किया जाना तथा संस्था स्तर से पुनः अग्रसारित किया जाना-10 फरवरी, 2026 से 18 फरवरी, 2026 ऽछात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को ठीक करने तथा सही आवेदन पत्रों को जमा किया जाना एवं शिक्षण संस्था द्वारा पुनः सत्यापित एवं अग्रसारित किया

< जाना अतः जनपद की समस्त दशमोत्तर (डिग्री) शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि तदानुसार निर्धारित समयान्तर्गतशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के पात्र छात्र/छात्राओं स्तर से त्रुटिपूर्ण आवेदनों को ऑनलाइन सही कराते हुए अपने स्तर की समस्त कार्यवाही भी निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बछरायूं क्षेत्र स्थित आलू फैक्ट्री में हादसे के दौरान युवक की मौत

क्रेन की बेल्ट टूटने से हुआ हादसा,लोहे का गार्डर युवक के ऊपर गिरने से हुई मौत

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा गजरौला मार्ग पर स्थित बछरायूं क्षेत्र स्थित एक गांव के पास निजी आलू की फैक्ट्री में हादसे के दौरान एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि क्रेन की बेल्ट टूटने से एक भारी भरकम लोहे का गार्डर नीचे काम कर रहे मजदूर के ऊपर जा गिरा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में चीख-पुकार पुकार मच गई उधर परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया है। बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक मृतक अरशद (25 वर्ष) मुहल्ला पीरजादगान, पठियापुरा बछरायू का निवासी था। वह पिछले 15 दिनों से ही इस फैक्ट्री में मजदूरी कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि क्रेन के जरिए लोहे के गार्डर को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था, तभी अचानक क्रेन की बेल्ट टूट गई।भारी गार्डर सीधे अरशद के ऊपर गिरा, जिससे वह बुरी तरह दब गया। आनन-फानन में फैक्ट्री कर्मी उसे लेकर धनौरा अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।परिजनों सादिक और इमरान ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। उन्होंने कहा कि यदि क्रेन और बेल्ट की समय पर जांच होती, तो आज अरशद जिंदा होता।थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।दूसरी ओर, फैक्ट्री के सिक्योरिटी मैनेजर दीपक चौधरी ने इसे एक दुखद अनहोनी बताया। उन्होंने कहा कि बेल्ट टूटने की वजह से यह हादसा अचानक हुआ। कंपनी इस कठिन घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी। फिलहाल, इस घटना ने क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा इंतजामों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था, पोस्टमार्टम के बाद शव को सुपुर्द ए खाक कर दिया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रार्थी की तहरीर के आधार पर आरोपी सुपरवाइजर आशीष कुमार के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गहनता से जाँच की जा रही है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के सैकड़ो छात्रों का भविष्य दांव पर,प्रबंधन पर फर्जी डिग्री देने का छात्रों ने लगाया आरोप

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 स्थित श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। यूनिवर्सिटी पर बीएससी ऑप्टोमेट्री के छात्रों को फर्जी डिग्री देने का गंभीर आरोप लगा है, जिससे सैकड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर है। यह मामला मंगलवार को तब सामने आया जब पीड़ित छात्र न्याय की गुहार लेकर अमरोहा एसपी कार्यालय पहुंचे।यह धोखाधड़ी तब उजागर हुई जब एक पीड़ित छात्र सुदर्शन कुमार ने यूपी स्टेट मेडिकल फैकल्टी में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया। फैकल्टी ने उसकी डिग्री को अवैध बताते हुए पंजीकरण से साफ इनकार कर दिया। जांच में पता चला कि यूनिवर्सिटी के पास बीएससी ऑप्टोमेट्री कोर्स के लिए कोई वैध पंजीकरण ही नहीं था।छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी ने उनसे डिग्री के नाम पर 10,300 रुपये वसूले थे। अब उन्हें जाली दस्तावेज देकर उनके करियर के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर उनके साथ बदतमीजी करने और धमकी देने का भी आरोप लगाया है।पीड़ित छात्रों और उनके परिजनों ने एसपी अमित कुमार आनंद से मुलाकात कर इस धोखाधड़ी के मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने उन्हें मामले की गहन जांच पड़ताल कराने का आश्वासन दिया है।

12 फरवरी को गजरौला पहुंचेंगे आरएलडी राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी,कौशल महोत्सव में होंगे शामिल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर स्थित शिव इंटर कॉलेज में 12 फरवरी को राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी कौशल महोत्सव में शामिल होने के लिए पहुंचेंगे। जिसके कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बृहस्पतिवार को आरएलडी के जिला अध्यक्ष सचिन चौधरी ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में जयंत चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जयंत चौधरी के आगमन और कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आरएलडी के जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी पार्टी कार्यकताओं के साथ शिव इंटर कॉलेज पहुंचे। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।इस कौशल महोत्सव में हाई स्कूल, इंटरमीडिएट, ग्रेजुएशन उत्तीर्ण युवाओं और सेवानिवृत्त फौजियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने यह भी बताया कि इच्छुक उम्मीदवार कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

गजरौला क्षेत्र में चल रहे किसानों के धरना प्रदर्शन ने पर्यावरणीय संकट एवं व्यापक कृषि असंतोष को किया उजागर

भाकियू संयुक्त मोर्चा का बेमियादि आंदोलन 52वें दिन भी जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र में चल रहे किसानों के धरना-प्रदर्शन ने स्थानीय पर्यावरणीय संकट और व्यापक कृषि असंतोष को एक साथ उजागर किया है। 10 फरवरी को 52 दिन पूरा होने वाले इस बेमियादी आंदोलन का केंद्र भूजल प्रदूषण है, जो गजरौला के रासायनिक कारखानों से निकलने वाले जहरीले उत्सर्जन के कारण हुआ है। नाईपुरा समेत आसपास के गांवों में पानी पीला, बदबूदार और खतरनाक रासायनिक तत्वों से युक्त हो गया है, जिससे स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग दो लाख मौतें दूषित पानी से होने का आंकड़ा इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करता है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी के नेतृत्व में किसान विपरीत परिस्थितियों की परवाह न करते हुए शहबाजपुर डोर धरना स्थल पर मजबूती से डटे हुए हैं। उन्होंने इस मामले में सरकार से तत्काल सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने, प्रदूषणकारी इकाइयों पर कार्रवाई और भूजल संरक्षण की मांग की है। गौरतलब है कि उक्त आंदोलन केवल सड़क पर बैठने तक सीमित नहीं है बल्कि गांव-गांव जल चौपाल, स्कूलों में जागरूकता और घर-घर संवाद के माध्यम से महिलाओं, युवाओं व बुजुर्गों तक यह चिंता साझा की जा रही है। मंगलवार को धरना स्थल पर मौजूद किसानों ने इंडो-ट्रंप समझौते की प्रतियां जलाकर अपना विरोध जताया, किसान इस समझौते को खेती-किसानी और डेयरी पालन के लिए घातक मानते हैं। नरेश चौधरी ने इसे अमेरिकी बाजार खोलने की साजिश बताया, जो भाजपा के स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के दावों के विपरीत है। वहीं दूसरी ओर दूषित जल मुद्दे पर व्यापक जनसमर्थन से उपस्थित किसानों का हुजूम देखकर नेशनल हाईवे से गुजर रहे सेना के वाहनों का काफिला थम गया। जिस पर किसानों ने जवानों को दूषित पानी की बोतलें भेंट करते समय 'जय जवान-जय किसान' के नारे से आसमान गूंजयामान हो उठा। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने किसानों की आर्थिक बदहाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 55 वर्षों में डीजल 55 पैसे से 91 रुपये, फसल मूल्य मात्र 26 गुना बढ़ा, जबकि सरकारी तनख्वाह 350 गुना। 2022 का 'किसान आय दोगुनी' का भाजपा का वादा अधूरा रहा।

अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी एवं मंडलाध्यक्ष एहसान अली ने कहा कि अकबर इलाहाबादी आज भी होते तो वही बात कहते कि प्रचार और बातचीत से लड़ाई जीतने की रणनीति ही सबसे ज्यादा कारगर है।उन्होंने कहा कि यह धरना सिर्फ स्थानीय प्रदूषण का नहीं, बल्कि असंवेदी विकास, औद्योगिक लापरवाही और किसान-विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट संघर्ष है। यदि सरकार निष्क्रिय रही, तो यह आंदोलन और तीव्र हो सकता है। जल संरक्षण के बिना मानवता बचाव मुश्किल है, किसानों की यह लड़ाई सबकी साझी लड़ाई बन चुकी है।इस अवसर पर मुख्य रूप से वयोवृद्ध किसान नेता चौधरी चरणसिंह, तेजपाल सिंह, ओम प्रकाश सिंह, सचिन चौधरी,रवि गुप्ता,,मंसूर चौधरी, गंगाराम सिंह, धर्मवीर सिंह, महेंद्र सिंह, रामफल सिंह, ओम प्रकाश सिंह, होमपाल सिंह, इंद्रपाल सिंह, सादिक चौधरी, सोनू सिंह, तेजपाल सिंह, जाहिद चौधरी, सुरेश सिंह समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मतदाता सूची से नाम काटने का आरोप, फर्जी फॉर्म-7 के खिलाफ निर्वाचन आयोग से की शिकायत

सम्भल(सब का सपना):- जनपद की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम काटे जाने का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजा गया है। आरोप है कि जटिल एसआईआर प्रक्रिया के बाद भी भाजपा के बीएलए द्वारा फर्जी तरीके से फॉर्म संख्या-7 भरकर मुस्लिम सहित पीडीए वर्ग के मतदाताओं के नाम कटवाने का प्रयास किया जा रहा है।ज्ञापन में बताया गया कि जनपद सम्भल के अंतर्गत सम्भल, असमोली, चन्दौसी, गुन्नौर और आंशिक बिलारी विधानसभा क्षेत्र आते हैं। यहां बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर 2003 की मतदाता सूची के आधार पर मैपिंग कर ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली प्रकाशित की गई। सत्यापन के दौरान मृतक, डुप्लीकेट और स्थायी रूप से क्षेत्र छोड़ चुके मतदाताओं के नाम हटाए गए, जबकि जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी उन्हें नोटिस देकर सुनवाई का अवसर दिया गया। इसके बावजूद आरोप है कि अब बड़ी संख्या में फॉर्म संख्या-7 के माध्यम से वैध और जीवित मतदाताओं के नाम काटने की साजिश की जा रही है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर खतरा है। इस संबंध में निर्वाचन आयोग से मांग की गई है कि फॉर्म संख्या-7 केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएं और एक व्यक्ति द्वारा एक से अधिक फॉर्म जमा करने पर रोक लगाई जाए। साथ ही प्रत्येक फॉर्म-7 पर बीएलओ द्वारा स्थलीय भौतिक सत्यापन अनिवार्य किया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि यदि बीएलओ की जांच में फॉर्म-7 गलत पाया जाता है तो उसे तत्काल निरस्त किया जाए और यदि सही पाया जाता है तो संबंधित मतदाता को पूर्ण सुनवाई का अवसर देने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए। इसके अतिरिक्त, फॉर्म-7 जमा करने वाले व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर और फोटो सहित रजिस्टर में विवरण दर्ज कर हस्ताक्षर कराए जाने की व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है, ताकि फर्जीवाड़ा रोका जा सके। इस मौके पर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार, चन्दौसी से पूर्व प्रत्याशी विमलेश कुमारी, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अरहम अली, विधानसभा अध्यक्ष चन्दौसी उमेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष सम्भल इरफान, नगर अध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध सभा कमल शर्मा, जिला सचिव निसार अहमद, जिला सचिव अशोक राणा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने मुकदमे में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गंगा खादर में जमीन जोतने को लेकर हुआ था लाठी-डंडों से संघर्ष

जुनावई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध व अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जुनावई थाना पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित अभियुक्त संतोष पुत्र उरमान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बीते 6 नवंबर को थाना जुनावई क्षेत्र अंतर्गत साधुमणि घाट से आगे गंगा के खादर क्षेत्र में जमीन जोतने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। प्रथम पक्ष के अंतराम पुत्र साहब सिंह एवं अन्य तथा द्वितीय पक्ष के दानवीर पुत्र चरण सिंह एवं अन्य के बीच कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही जुनावई थाना पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर झगड़ा रोकने का प्रयास किया। बावजूद इसके दोनों पक्ष अत्यधिक उत्तेजित होकर आपस में मारपीट करते रहे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया तथा मौके से संबंधित अभियुक्तों को हिरासत में लिया। इस मामले में अभियुक्त संतोष पुत्र उरमान फरार चल रहा था, जिसे मंगलवार को थाना जुनावई पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, आपसी विवाद अथवा कानून-व्यवस्था भंग करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त अभियान जारी रहेगा।

सेफर इंटरनेट डे पर विशेष कार्यशाला, एआई व साइबर सुरक्षा पर किया गया जागरूक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सेफर इंटरनेट डे के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंटरनेट के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। कार्यशाला में डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी प्रभात मिश्रा ने कहा कि इंटरनेट जहां शिक्षा, कार्यक्षमता और प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाता है, वहीं इसके दुरुपयोग से साइबर अपराध, डेटा चोरी और डीपफेक जैसे गंभीर खतरे भी उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने एआई के माध्यम से फैलाए जा रहे फर्जी वीडियो (डीपफेक) और डेटा प्राइवेसी से जुड़े जोखिमों पर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को सलाह दी कि किसी भी एआई टूल या डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय अपनी व्यक्तिगत एवं संवेदनशील जानकारी साझा न करें। वित्तीय सुरक्षा के संबंध में बताया गया कि इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते समय केवल बैंक की आधिकारिक वेबसाइट और सुरक्षित नेटवर्क का ही उपयोग करें। सार्वजनिक वाई-फाई के माध्यम से वित्तीय लेन-देन करने से बचें तथा अपने पासवर्ड और पिन को समय-समय पर बदलते रहें। कार्यशाला के दौरान एआई के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही सेफर इंटरनेट डे 2026 के अंतर्गत वेबसाइट www.staysafeonline.in पर उपलब्ध जागरूकता वीडियो का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर सभी को यह भी जागरूक किया गया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और किसी भी सूचना, संदेश या वीडियो को बिना सत्यापन किए सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड न करें। साइबर धोखाधड़ी की किसी भी स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने अथवा वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। कार्यशाला में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, डीपीआरओ, डीआरएम, नेटवर्क इंजीनियर, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन बहजोई में SPEL-3.0 कार्यक्रम की समीक्षा, एडीजी ने की पुलिस की सराहना

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रंथ, लखनऊ एल.वी. एन्टनी देव कुमार द्वारा SPEL-3.0 कार्यक्रम की समीक्षा मंगलवार को की गई। समीक्षा पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में समस्त थाना प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों के साथ आयोजित हुई। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न कॉलेजों के 67 छात्र-छात्राओं, कॉलेज नोडल अधिकारियों तथा थाना प्रभारी एवं नोडल पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन जनपद नोडल अधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने SPEL-1.0 से SPEL-3.0 तक की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया। अपर पुलिस महानिदेशक ने जनपद सम्भल में SPEL-3.0 की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए जनपद पुलिस की प्रशंसा की तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि SPEL-3.0 का उद्देश्य छात्रों को पुलिसिंग की बुनियादी समझ, अनुभवात्मक प्रशिक्षण और सामाजिक सेवा से जोड़कर पुलिस व युवाओं के बीच सेतु स्थापित करना है। इस अवसर पर जनपदीय एनएसएस नोडल अधिकारी, समस्त थाना प्रभारी एवं SPEL-3.0 कार्यक्रम से जुड़े नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक (डीटीएफ) की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत ऑपरेशन कायाकल्प को लेकर समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा गुणवत्ता में सुधार को लेकर निर्देशित किया। रैम्प, रसोई घर , बालक बालिका मूत्रालय, दिव्यांगजन शौचालय, बाल मैत्रिक शौचालय, आदि पर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत शौचालय, आंगनबाड़ी केन्द्रों का इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाईन को लेकर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि 18 फरवरी तक निस्तारण नहीं होता है तो विद्युत विभाग के समस्त अधिशासी अभियंता जिलाधिकारी के कार्यालय पर होने वाली जनसुनवाई में रहेंगे तथा अधीक्षण अभियंता सहित समस्त अधिशासी अभियंता विद्युत प्रतिदिन की प्रगति से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराएंगे। बच्चों की उपस्थिति निपुण एसेसमेंट ,सपोर्टिव सुपरविजन ,आरटीई ,रिमेडियल क्लास स्मार्ट क्लास , अपार आईडी, पीएम श्री विद्यालयों में आर ओ वाटर की उपलब्धता सोलर पैनल पर चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपार आईडी के लिए अभियान चलाने को लेकर निर्देशित किया। विद्यालयों मे छतों को डैमप्रूफ करने को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने जानकारी प्राप्त की तथा ग्राम खेरिया रुद्र के विद्यालय में डैम प्रूफ की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक (सिविल) सचिन सक्सेना, संबंधित ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पीएम श्री विद्यालय साइनबोर्ड, खगोलीय प्रयोगशाला पर चर्चा की तथा निर्माण किये जाने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों की विकासखण्ड वार समीक्षा की गयी तथा वर्ष 2024-25 के आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण आरम्भ न किये जाने पर खण्ड विकास अधिकारी एवं एडीओं पंचायत बहजोई एवं बनिया खेड़ा का मुख्य विकास अधिकारी द्वारा वेतन रोकने के निर्देश दिए। डीपीओ आईसीडीएस तथा डॉ विश्वास अग्रवाल द्वारा अपने अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी उपस्थित ग्राम प्रधानों को दी पीएम एक्सीलेंस अवार्ड पर भी चर्चा की गयी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा तथा जिला पंचायत राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह एवं खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमल कांत तथा खण्ड विकास अधिकारी रजपुरा डॉ आदेश कुमार एवं समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित पीएम श्री विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कार्यक्रम का बहजोई में किया गया आयोजन

जिलाधिकारी द्वारा बच्चों को एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाकर किया गया शुभारंभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर मंगलवार को भगत जी इंटरनेशनल स्कूल, बहजोई में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी जनपद सम्भल डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा छात्र-छात्राओं को कृमि मुक्ति की दवा एल्बेन्डाजोल खिलाकर किया गया। विद्यालय परिसर में उपस्थित बच्चों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वयं भी कृमि-मुक्ति की गोली का सेवन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कृमि संक्रमण से होने वाली बीमारियों, उनके दुष्प्रभावों एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नाखून साफ व छोटे रखने, फल-सब्जियों को धोकर खाने, नियमित रूप से नहाने तथा स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने बच्चों से संवाद करते हुए सदैव स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने तथा घर व आसपास स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि सत्र 2025-26 के द्वितीय चरण (फरवरी 2026) में जनपद के कुल 13,11,811 बच्चों को कृमि मुक्ति हेतु एल्बेन्डाजोल की गोली खिलाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ने छात्र-छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय आने एवं मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम) संजीव कुमार राठौर ने बताया कि जो बच्चे आज किसी कारणवश दवा लेने से वंचित रह गए हैं, उन्हें आगामी 13 फरवरी (शुक्रवार) को आयोजित मॉप-अप दिवस के दौरान कृमि मुक्ति की गोली खिलाई जाएगी। कार्यक्रम में डीईआईसी प्रबंधक मनु तेवतिया, बीईओ बहजोई पोप सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी बहजोई डॉ. सचिन वर्मा, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, विद्यालय के प्रबंधक, प्रधानाचार्या एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बालिकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत मंगलवार को शहीद गिरीश चंद कंपोजिट विद्यालय व जूनियर हाईस्कूल कैथल की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें, प्रशिक्षक सुरेश कुमार, मलिका खिलाड़ी पूर्वी, संतराम, ब्रजेश व रितेश ने छात्राओं को फ्रंट किक, फ्रंट जंप किक, नेक अटैक, नोज अटैक व मिडिल ब्लॉक्स आदि की ट्रेनिंग दी, सुरेश कुमार ने बताया कि सभी छात्राओं द्वारा मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग करने से उनके हौसले बुलंद हो रहे हैं तथा अब वह आसानी से विरोधी को धूल चटाने में सक्षम हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया, जिससे बालिकाओं/ महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र महिलाओं/बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि व कांवड़ यात्रा को लेकर बहजोई पुलिस सतर्क

डीजे संचालकों व भंडारा आयोजकों के साथ हुई अहम बैठक दिए गए आवश्यक निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- आगामी महाशिवरात्रि पर्व एवं कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने को लेकर बहजोई पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को थाना बहजोई परिसर में डीजे संचालकों, जत्थेदारों एवं भंडारा संचालकों के साथ एक महत्वपूर्ण शांति व्यवस्था बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु शासन एवं उच्चाधिकारियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से सभी उपस्थित लोगों को विस्तार से अवगत कराया गया। बैठक में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए कि डीजे की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रखी जाए तथा किसी भी स्थिति में अश्लील, भड़काऊ अथवा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले गीतों का प्रयोग न किया जाए। जुलूसों व कांवड़ यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करने, यातायात व्यवस्था में सहयोग देने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने से बचने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने भंडारा संचालकों को निर्देशित किया कि वे भंडारे की अनुमति पूर्व से प्राप्त करें, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा सड़क या यातायात में बाधा उत्पन्न न करें। साथ ही आयोजकों से यह भी कहा गया कि किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। थाना प्रभारी संत कुमार ने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखना है, ऐसे में सभी वर्गों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। पुलिस प्रशासन हर समय जनसुरक्षा के लिए तत्पर है, लेकिन शांति बनाए रखने में आमजन की सहभागिता भी उतनी ही जरूरी है। बैठक में प्रभारी निरीक्षक संत कुमार सहित थाना बहजोई क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारी मौजूद रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में डीजे संचालक, जत्थेदार एवं भंडारा आयोजक उपस्थित रहे, जिन्होंने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में लगातार सामने आ रही बिजली के तार चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए थाना अफजलगढ़ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थानाध्यक्ष रामप्रताप सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से करीब सात कुंतल 11 केवी विद्युत लाइन का तार, तार काटने का लोहे का कटर तथा चोरी में प्रयुक्त छोटा हाथी वाहन बरामद किया है। वाहन को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना अफजलगढ़ क्षेत्र में चेकिंग अभियान के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग चोरी किया गया बिजली का तार बेचने के लिए हरेवली से अफजलगढ़ की ओर ला रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने

तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान वाहन से भारी मात्रा में विद्युत तार बरामद हुआ, जिसके बाद उसमें सवार लोगों को हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोहित कुमार उर्फ लाला पुत्र रमेश सिंह निवासी ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़, अबरार अंसारी पुत्र इमामुद्दीन निवासी ग्राम मुनव्वपुर सैद थाना शेरकोट, हेमराज उर्फ तारा पुत्र दलीप सिंह, मनीष कुमार उर्फ छोटू पुत्र राजपाल सिंह, अरुण पुत्र चुन्ना सिंह निवासीगण ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़ तथा नईम अहमद पुत्र तसलीम निवासी ग्राम भगोता उर्फ हरेवला थाना शेरकोट के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से लगभग सात कुंतल 11 केवी लाइन का विद्युत तार बरामद किया। इसके साथ ही तार काटने में प्रयुक्त लोहे का कटर और छोटा हाथी वाहन भी कब्जे में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि उन्होंने 5 फरवरी 2026 की रात ग्राम आलमपुर गांवड़ी के जंगल से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन को रस्से की मदद से नीचे खींचकर कटर से काट लिया था और उसे वाहन में लादकर ले जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। आरोपितों ने यह भी बताया कि इस चोरी की वारदात में उनके दो अन्य साथी शेखर पुत्र उमेश और सुमित पुत्र बलराम निवासी ग्राम नारायणवाला थाना रेहड़ भी शामिल थे, जो फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।

घायल मिले राज्य पक्षी सारस का इलाज शुरू हालत में काफी हद तक सुधार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- प्रदेश का राज्य पक्षी सारस धामपुर की टीचर्स कॉलोनी में स्थित एक तालाब से घायल अवस्था में मिला। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह हवा में उडते समय किसी मांझे या बिजली के तार की चपेट में आने से सारस घायल हुआ होगा। रविवार को कॉलोनी में स्थित तालाब के पास एक सारस गिरने के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सारस को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। वन विभाग की टीम ने रविवार शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, लेकिन अंधेरा होने के कारण वह सारस को नहीं पकड़ पाए और रेस्क्यू रोकना पड़ा। सोमवार की सुबह को पुनः अभियान शुरू किया गया। लगभग 30 घंटे तक चले इस ऑपरेशन के दौरान, घायल होने के बावजूद सारस लगातार टीम को चकमा देता रहा। कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने जाल का उपयोग कर दोपहर बाद तक सारस को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। रेस्क्यू के बाद घायल सारस को उपचार के लिए वन विभाग की नर्सरी भेजा गया है। वहीं आप्रेशन रेस्क्यू अभियान के दौरान सारस को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चीनी मांझे पर प्रतिबंध लगाने के सख्त निदेर्शों के बावजूद ऐसा हादसा पर चिंता व्यक्त की। उधर डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह ने बताया कि पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा सारस का उपचार कराया गया है। उपचार के बाद सारस की स्थिति में काफी सुधार आया है। उन्होंने बताया कि लगातार निगरानी रखी जा रही है। उपचार के बाद स्वस्थ होने पर सारस को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में सारस के घायल होने का कारण मांझा या बिजली का तार ही प्रतीत हो रहा है।

महात्मा विदुर सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में इंटरनेट एक बहुउपयोगी और बहुउद्देशीय उपकरण है, जो इंसानी जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक जरूरत बन चुका है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट का उपयोग यदि सुरक्षित और जिम्मेदारी से न किया जाए तो उससे जान-माल दोनों असुरक्षित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज एक ओर जहां इंटरनेट ने मानव जीवन की हर क्षेत्र में एक क्रांति पैदा कर दी है, वहीं इसके भयानक दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। साइबर फ्रॉड

आज वैश्विक समस्या बन चुकी है। इससे बचने का एकमात्र तरीका यही है कि बहुत सावधानी और सजगता के साथ इसका प्रयोग करें और किसी भी लालच या जिज्ञासिया से वशीभूत होकर किसी भी अनजाने लिंक पर क्लिक न करें, क्योंकि वह साइबर फ्रॉड हो सकता है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा साइबर फ्रॉड एवं साइबर क्राइम से आम नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सेल स्थापित किया है, जिसकी ब्रांचेस हर पुलिस थाने में स्थापित हैं। पुलिस साइबर सेल द्वारा न सिर्फ आम नागरिकों को साइबर फ्रॉड के प्रति जागृत किया जाता है बल्कि साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों की कथा संभव मदद भी की जाती है। उन्होंने जन सामान्य का आह्वान किया कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखें और किसी अंजाने व्यक्ति से शेयर न करें, ऑनलाइन व्यवहार में सावधानी बरतें और यदि किसी दुर्भाग्यवश साइबर फ्रॉड के शिकार होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क कर साइबर अपराध की रिपोर्ट दर्ज कराएं।

कार्यक्रम में एनआईसी एवं पुलिस साइबर सेल के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा, डेटा प्रोटेक्शन तथा ऑनलाइन जोखिमों से बचाव के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, पुलिस साइबर सेल के विशेषज्ञ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

लाखों की फर्जी लूट का ड्रामा, महिला ने ही रची थी जेवरात गायब करने की साजिश

सूचना देने वाली महिला ही इस पूरे षड्यंत्र की मुख्य सूत्रधार, जेवरात चोरी करने में भी शामिल

हीमपुर दीपा/बिजनौर(सब का सपना):- घर का भेदी लंका ढाए कहावत हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र में एक बार फिर सच साबित होती नजर आई, जब लाखों रुपये की कथित लूट की कहानी का पदार्फाश हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि सीवीलूट की सूचना देने वाली महिला ही इस पूरे षड्यंत्र की मुख्य सूत्रधार थी और जेवरात चोरी करने में स्वयं शामिल थी। शनिवार को थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम मंडोरा जट निवासी राशन डीलर अमित कुमार के घर लाखों रुपये के जेवरात लूट की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया था। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह और पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे थे। जांच टीमों का गठन कर शीघ्र खुलासे का आश्वासन दिया गया था। पुलिस के

अनुसार जब अमित की पत्नी शिवानी से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने खेत में गड्ढा खोदकर दबाए गए कथित लूट के जेवरात बरामद कर लिए। इस पूरे घटनाक्रम में तीन लोगों की भूमिका सामने आ रही है, हालांकि शिवानी अकेले ही जिम्मेदारी लेने की बात कह रही थी। बताया जा रहा है कि मंडोरा जट निवासी योगेंद्र सिंह के बड़े पुत्र सुमित कुमार फौज में तैनात हैं और उनकी पत्नी बच्चों की पढ़ाई के कारण बाहर रहती हैं। उनके सभी जेवरात ससुराल में ही रखे हुए थे। आरोप है कि इन्हीं जेवरातों को हड़पने के उद्देश्य से राशन डीलर की पत्नी शिवानी, उसके भाई और सास ने मिलकर साजिश रची। दावा है कि 4 फरवरी को सेफ अलमारी का लॉक तोड़कर जेवरात सुरक्षित स्थान पर छिपा दिए गए थे और अलमारी को पर्दे से ढक दिया गया था। 7 फरवरी को मौका देखकर शिवानी ने घर में सामान बिखेरते हुए लूट का शोर मचाया, जिससे गांव और जिले में सनसनी फैल गई। घटना के खुलासे के लिए सोमवार को सीओ चांदपुर, सीओ लाइन, फील्ड यूनिट, एसओजी और एसपी ग्रामीण की टीमें दिनभर हीमपुर दीपा थाने में डटी रहीं। शाम तक पुलिस ने अधिकांश घटना का खुलासा कर लिया और बरामदगी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस पूरे प्रकरण में परिवारों के टूटने की तस्वीर भी सामने आई है। राशन डीलर अमित और शिवानी का एक दो वर्षीय मासूम बच्चा है। वहीं दूसरी ओर शिवानी की मां और भाई की भूमिका सामने आने से उनका परिवार भी संकट में आ गया है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हेड कांस्टेबल और महिला सिपाही के आपत्तिजनक वीडियो वायरल

एसपी ने दोनों को किया सस्पेंड, दिए विभागीय जांच के आदेश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के एक थाने में तैनात एक हेड कांस्टेबल और महिला आरक्षी के पांच आपत्तिनजक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। वीडियो एक थाने में तैनात एक हेड कांस्टेबलव महिला व आरक्षी के बताए गए हैं। आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, और विभागीय जांच के आदेश जारी किए हैं। जानकारी यह भी मिली है कि दोनों पुलिसकर्मियों के कुल पांच वीडियो सामने आए हैं। इनमें से एक वीडियो में महिला सिपाही वर्दी में नजर आ रही है, जबकि अन्य वीडियो में वह बिना वर्दी के दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि ये वीडियो सरकारी आवास के अंदर के हैं, जहां दोनों आपत्तिजनक स्थिति में एक-दूसरे के साथ दिखाई दे रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि ये वीडियो दोनों की आपसी सहमति से बनाए गए प्रतीत होते हैं। हालांकि, वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद मामला तूल पकड़ गया और पुलिस विभाग की छवि पर सवाल उठने लगे। अनुशासन पर सवाल, विभाग में हलचल वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में तरह-तरह की चचाएँ चल रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामला अनुशासनहीनता और सेवा नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है, जिसकी गहराई से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ह्लविभाग की गरिमा और अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी यह मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा करता है कि वर्दी की मयार्दा और जिम्मेदारी को लेकर लापरवाही कितनी गंभीर परिणाम ला सकती है।

बिजनौर में खनन माफिया ने पत्रकार को दी धमकी

अवैध खनन की कवरेज करने पर पत्रकार को मिली जान से मारने की धमकी पत्रकार ने पुलिस को सौपा शिकायती पत्र

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन पर सवाल उठाने और उसकी सच्चाई उजागर करने वाले एक स्थानीय पत्रकार को धमकाने का गंभीर मामला सामने आया है। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम माहेश्वरी जट में अवैध खनन की कवरेज करने गए दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता बिल्कुल चौधरी को फोटो खींचने के बाद फोन पर धमकियां दी जा रही हैं। पीड़ित पत्रकार बिल्कुल चौधरी पुत्र सत्यवीर सिंह, निवासी ग्राम मूसेपुर, ने थाना कोतवाली देहात में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह 10 फरवरी (सोमवार) को ग्राम माहेश्वरी जट में लोडरों द्वारा किए जा रहे अवैध खनन की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने अवैध खनन से जुड़े कुछ फोटो लिए और वापस लौट आए। इसके बाद से ही उन्हें लगातार फोन कॉल कर धमकाया जाने लगा। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में पत्रकार बिल्कुल चौधरी ने बताया है कि गांव मूसेपुर निवासी गोल्डी नामक व्यक्ति ने फोन कर न केवल पत्रकार के साथ गाली-गलौज की, बल्कि अन्य पत्रकारों के लिए भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया। आरोपी ने खुलेआम चुनौती देते हुए कहा कि जिसमें दम हो खनन रुकवा कर दिखाओ, खनन चलता रहेगा, तू नहीं रुकवा पाएगा। पीड़ित पत्रकार का कहना है कि इन धमकियों से उसे जान-माल का गंभीर खतरा है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अवैध खनन माफिया इतने बेखौफ क्यों हैं कि अब पत्रकारों को भी खुली धमकियां दी जा रही हैं। खनन की तस्वीरें सामने आने के बाद जिस तरह से दबाव और डराने की कोशिश की गई, उससे साफ प्रतीत होता है कि अवैध खनन सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। पत्रकार बिल्कुल चौधरी ने थाना अध्यक्ष कोतवाली देहात से आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। पत्रकार संगठनों और स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष है और सभी ने पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चाइनीज माँझे को लेकर छापेमारी, एक दुकानदार गिरफ्तार

किरतपुर /बिजनौर (सब का सपना):- जनहित की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए चाइनीज माँझे के खिलाफ पुलिस ने सख्त रूप अपनाते हुए नगर में विशेष चेकिंग अभियान चलाया ,यह अभियान उच्च अधिकारियों के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक कस्बा इंचार्ज दीपक नागर सहित पुलिस टीम द्वारा चलाया गया। पुलिस टीम ने नगर की विभिन्न दुकानों व संदिग्ध इलाकों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए जांच की। जिस पर पुलिस को मोहल्ला बुड्ढी

निवासी आदिल खां पुत्र कुदरतउल्ला की दुकान पर छापेमारी कर मोके से 113 लच्छी चाइनीज माँझे व 4 लच्छी माँझे की बरामद की गई। जिस पर पुलिस ने आदिल को अपनी हिरासत मे ले लिया ओर न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहा से उसको जेल भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस ने नगर के दुकानदारों को प्रतिबंधित चाइनीज मांझा ना बेचने की कड़ी चेतावनी दी।

थाना प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि चाइनीज मांझा आमजन,पक्षियों और रहागिरो के लिए खतरा बना रहता है और इसके इस्तेमाल से कई बार जानलेवा हादसे हो चुके हैं।पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि चाइनीज माँझे का उपयोग और बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस छापेमारी की कार्रवाई से पतंग व मांझा बेचने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 207 जोड़े बंधे शादी के बंधन में

किरतपुर /बिजनौर (सब का सपना):- नगर स्थित एक वेंकट हॉल में खंड विकास कार्यालय कि ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे हिन्दू व मुस्लिम रिती रिवाज से विवाह संपन्न हुए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को नगर के गोवर्धन वाटिका में खंड विकास कार्यालय कि ओर से 180 हिंदू जोड़े हिंदू संस्कृति के अनुसार पंडित एस एस परिहार द्वारा एवं 27 मुस्लिम जोड़ों का विवाह कारी इरशाद द्वारा मुस्लिम रीति रिवाज अनुसार संपन्न कराया गया।जहां पर सभी विवाह करने वाले जोड़ों के खाते में ड्ड60000 एवं ड्ड25000 का परिवारिक सामान दिया गया।

कार्यक्रम में सरकार की ओर से भोज की व्यवस्था की गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अंकित चौधरी और उनकी पत्नी रही।सभी वैवाहिक जोड़ों को मुख्य अतिथि द्वारा आशीर्वाद दिया गया।कार्यक्रम में सभी नव दंपतियों के साथ उनके परिजन एवं क्षेत्रवासी काफी संख्या में मौजूद रहे।प्रदेश में योगी सरकार द्वारा पिछले काफी समय से गरीब परिवारों की स्थिति को देखते हुए सरकार की ओर से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत वर्ष में कई बार यह कार्यक्रम प्रदेश के अनेक स्थानों पर किया जाता है जो मुख्यमंत्री की एक अनूठी और संस्कारी योजना मानी जा रही है जिससे कई गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह सरलता पूर्वक संपन्न हो रहे हैं समाहरो में नगर के सम्मानित नागरिक व किरतपुर ब्लॉक की पूरी टीम उपस्थित रही ।

सड़क चौड़ीकरण अटका, आम के बागों में धड़ल्ले से कटे पेड़

नियमों पर सवाल: 35 पेड़ों की अनुमति नहीं, सैकड़ों की कटाई कैसे

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर क्षेत्र में नियमों के अनुपालन को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। एक तरफ दुर्गा विहार कॉलोनी से राजपूताना तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण का कार्य पेड़ों की कटाई की अनुमति न मिलने के कारण महीनों से अटका पड़ा है, तो दूसरी ओर इसी राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास स्थित आम के हरे-भरे बागों में रातों-रात सैकड़ों पेड़ों के कटने की सूचना ने लोगों को चौंका दिया है। इस विरोधाभास ने प्रशासन और संबंधित विभागों की भूमिका पर संदेह खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, दुर्गा विहार से राजपूताना तक सड़क चौड़ीकरण के लिए करीब 28 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत केवल 35 पेड़ों की कटाई प्रस्तावित है, लेकिन वन विभाग से अब तक इसकी अनुमति नहीं मिल पाई है। विभागीय अधिकारियों का कहना

है कि केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद ही लोक निर्माण विभाग न तो पेड़ों की कटाई कर सकता है और न ही निर्माण कार्य शुरू कर सकता है। इसी कारण यह मार्ग बीते चार महीनों से अधर में लटका हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। गड्ढों और अव्यवस्थित यातायात के चलते दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। कई राहगीरों के चोटिल होने की बातें भी सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की सुस्ती का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर, इसी मार्ग से कुछ ही दूरी पर स्थित आम के बागों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कर दी गई। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, जिला स्तर पर अधिकतम 50 पेड़ों की कटाई की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन इसके बावजूद सैकड़ों पेड़ों के कटने की चर्चा है। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि जब सड़क परियोजना के लिए गिने-चुने पेड़ों की अनुमति नहीं मिल रही, तो फिर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई कैसे संभव हो गई। इस पूरे मामले ने प्रशासनिक पारदर्शिता और नियमों के समान पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग मांग कर रहे हैं कि सड़क चौड़ीकरण के कार्य में आ रही अड़चनों को जल्द दूर किया जाए और आम के बागों में हुई कटाई की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मछलीपालन प्रशिक्षण बैच का समापन, आरसेटी बहजोई में हुआ प्रशिक्षुओं का अंतिम मूल्यांकन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- ब्लॉक के ग्राम भटावली में 1 फरवरी से संचालित मछलीपालन प्रशिक्षण बैच का समापन मंगलवार को आरसेटी संस्थान, बहजोई में अंतिम मूल्यांकन के उपरांत सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं एवं लाभार्थियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं का आकलन राम सजीवन, ईडीपी असेसर (फ्त्रऊएळक, गाजियाबाद) द्वारा ऑनलाइन मोड में किया गया। मूल्यांकन के दौरान प्रशिक्षुओं से मछलीपालन से संबंधित तकनीकी जानकारी, व्यावहारिक समझ, लागत-लाभ विश्लेषण एवं उद्यम संचालन से जुड़े प्रश्न पूछे गए। आरसेटी संस्थान द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। मूल्यांकन के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को संस्थान के मेस की ओर से नाश्ता एवं दोपहर का भोजन परोसा गया। अंतिम मूल्यांकन पूर्ण होने के पश्चात प्रशिक्षुओं ने मूल्यांकनकर्ता के साथ स्मृति स्वरूप एक ग्रुप फोटो भी खिंचवाई।

संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। मछलीपालन जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण से प्रशिक्षु स्वरोजगार अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। प्रशिक्षण बैच के समापन पर प्रशिक्षुओं ने आरसेटी संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रशिक्षण के दौरान मछलीपालन की वैज्ञानिक विधियों, तालाब प्रबंधन, बीज चयन, आहार प्रबंधन एवं विपणन की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई, जो भविष्य में उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

जिलाधिकारी ने किया तहसील धनौरा का वार्षिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तहसील धनौरा का वार्षिक निरीक्षण किया। न्यायालय तहसीलदार, न्यायालय नायब तहसीलदार न्यायालय उपजिलाधिकारी न्यायिक, न्यायालय उपजिलाधिकारी, संग्रह अनुभाग, नजारत अनुभाग, कार्यालय राजस्व निरीक्षक का विस्तृत निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होंने न्यायालय तहसीलदार का निरीक्षण किया। 3 वर्ष से अधिक लंबित धारा 34 और धारा 67 के वादों में देरी पर पेशकार वरदान का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ तब तक वेतन आहरित न करने के निर्देश दिए जब तक गुणवत्तापरक निस्तारण न हो। इसी तरह उपजिलाधिकारी न्यायिक के पेशकार धर्मेंद्र कुमार द्वारा भी धारा 116 और धारा 24 के वादों में देरी पर तब तक वेतन आहरित न करने के निर्देश दिए जब तक गुणवत्तापरक निस्तारण न हो। धारा 116 के एक मामले में सही और समय से रिपोर्ट न लगाने पर लेखपाल राजीव पाल के खिलाफ और धारा 24 के एक मामले में सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संग्रह अनुभाग में अमीनवार आरसी वसूली की जानकारी प्राप्त की। खतौनी के अंश निर्धारण और ई परवाने की फीडिंग में लापरवाही पर कानूनगो धीरे सिंह पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व वादों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा एवं दायरे के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

विशेष रूप से पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता देकर शीघ्र निपटारा किया जाए। उपजिलाधिकारी न्यायालय में लंबित वादों के निस्तारण में किए गए कार्यों के लिए पेशकार की प्रशंसा की। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, पुष्करनाथ चौधरी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित उपस्थित रहे।

'घी-चोर' निकला ऑस्ट्रेलिया से आया व्यक्ति, पैंट में छिपाया शहद और दूसरा सामान; वीडियो वायरल

करनाल। रेलवे रोड स्थित मार कंपनी के स्टोर से एक व्यक्ति पेंट के अंदर महंगा घी, शहद सहित अन्य सामान चोरी करता हुआ पकड़ा गया है। हैरानी की बात है कि यह चोर ऑस्ट्रेलिया से एक सप्ताह पहले ही आया और टूरिस्ट वीजा पर एक महीना आस्ट्रेलिया भी रह चुका है। लेकिन यह चोरी क्यों करता था, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। स्टोर कर्मचारियों ने व्यक्ति की वीडियो बनाई है और सदर बाजार चौकी पुलिस को दी। पुलिस ने व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। र कर्मचारियों ने बताया कि आरोपित व्यक्ति तीन बार पहले चोरी कर चुका है। सीसीटीवी कैमरे में यह व्यक्ति पहले कैद हो चुका है लेकिन वह इसकी पहचान नहीं कर पाए थे। इसलिए वह कई दिनों से सीसीटीवी कैमरे पर नजर बनाए हुए थे। जैसे ही यह व्यक्ति सोमवार शाम को स्टोर पर आया तो कर्मचारियों ने इसकी निगरानी की और जब व्यक्ति ने अपनी पेंट के अंदर सामान चोरी कर छीपा लिया, आरोपित ने एक मैगी का बिल कटवाना चाहा तो कर्मचारियों ने उसे पकड़ लिया और छुपाया हुआ सामान उसकी पेंट के अंदर से निकाला और उसकी वीडियो बना ली। आरोपित मोती नगर का रहने वाला अश्विनी उर्फ आशु भाटिया है। उसने बताया कि वह टूरिस्ट वीजा पर एक महीना ऑस्ट्रेलिया गया हुआ था। अब वह एक सप्ताह पहले ही आया है। जब आरोपित से चोरी के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वक्त खराब चल रहा है, उसने कबूला की तीन बार उसने इस स्टोर से और एक बार मेरठ रोड स्थित एक स्टोर से चाय पत्ती का पैकेट चोरी किया था। वह वीडियो में अपनी गलती मान रहा है। चोर के पास से करीब ढाई हजार रुपये कीमत का गाय का देसी घी, 500 रुपये का शहद का डिब्बा, कैचअप और अन्य किराना सामान बरामद किया गया।

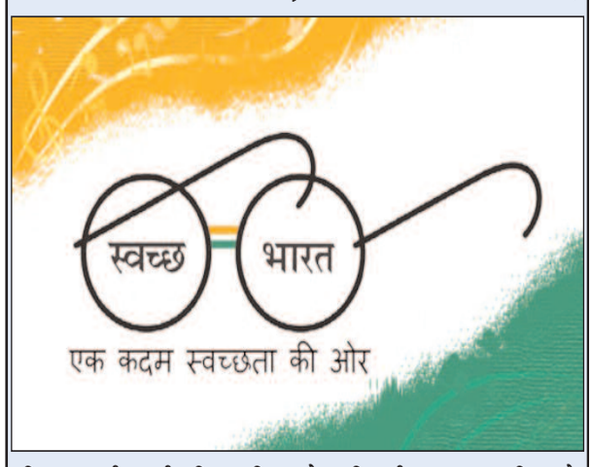

निकाय विभाग में स्वच्छ भारत में बजट खर्च नहीं कर पाए अफसर, 20 पर होगी कार्रवाई

हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन के तहत वर्ष बजट को खर्च नहीं कर पाए। अब बजट खर्च न करने में लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारी पर कार्रवाई होगी। हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभागों की समीक्षा बैठक की थी। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान करीब 100 करोड रुपए स्वच्छ भारत मिशन के तहत खर्च न होने पर मुख्यमंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई थी। अब 20 लापरवाह अधिकारियों पर कभी भी कड़ी कार्रवाई हो सकती है। हरियाणा शहरी निकाय विभाग में स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छता की कार्यों से लेकर जागरूकता अभियान प्रचार प्रसार आदि कार्यों पर 100 करोड रुपए खर्च होने थे लेकिन फरवरी आने के बावजूद भी बजट खर्च नहीं हो सका। ऐसे में विभागीय अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री विपुल गोयल ने ऐसे 20 अधिकारियों पर कार्यवाही का ब्योरा बनाने को कहा है जिससे 20 अधिकारियों को चार्जशीट करके कार्यवाही हो सके। कार्रवाई से बचने के लिए अबाधिकारी भी योजनाएं बनाने में जुट गए हैं। राज्य के स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर भी नहीं हो सका काम हरियाणा सरकार ने इस बार केंद्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण की तर्ज पर राज्य में स्वच्छ सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया था, लेकिन यह कार्य भी शुरू नहीं हो सका। बीते साल 2 अक्टूबर को इसकी शुरूआत होनी थी। बाद में तय किया गया कि इस कार्य को निकाय और दूसरे विभागों के अधिकारियों के बजाय निकाय थर्ड पार्टी के माध्यम से कराएंगे। लंबे समय से टेंडर की प्रक्रिया अटकी हुई है, इस कारण राज्य का स्वच्छ सर्वेक्षण भी शुरू नहीं हो सका।

सिरसा में प्रेम प्रसंग का दर्दनाक अंत: युवक ने प्रेमिका का तकिए से गला घोंटकर की हत्या, फिर खुद लगाया फंदा

सिरसा में एक बड़ी घटना सामने आई है। फौजी चौक एरिया में रहने वाली फतेहाबाद की सिमरन की उसकी प्रेमी ने हत्या कर दी। हत्या करने के बाद खुद भी फंदा लगा लिया और जान दे दी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार सिमरन आर्केस्ट्रा का काम करती थी। हत्यारोपी सुनील जींद का रहने वाला है। वारदात की जानकारी मंगलवार सुबह मिली। सिमरन का शव चारपाई पर पड़ा हुआ था और सुनील फंदे पर लटका मिला। कमरे से किसी तरह का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। सिमरन के साथ रह रही लड़कियों ने बताया कि इससे पहले उन्होंने सुनील को कभी नहीं देखा था। जिस कमरे में साथ वाली लड़कियां रह रही हैं, घटना उससे दूसरे कमरे में हुई है। कमरे में सिमरन और सुनील ही थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। युवक ने हत्या क्योंकि, घटना किस वक्त हुई। सभी सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।

खौफनाक! पानीपत में खेल-खेल में कील निगल गई चार साल की अमाइरा, डॉक्टरों ने बिना चीर-फाड़ किए ऐसे बचाई जान

पानीपत। प्रेम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलाजी विभाग ने सेक्टर 13-17 निवासी चार वर्षीय अमाइरा की आंत में फंसी कील को बिना सर्जरी एंडोस्कोपी से निकाल लिया। बच्ची ने तीन सेटीमीटर की कील निगल ली थी। इसके बाद उसे लगातार पेट दर्द और गंभीर तकलीफ होने लगी। स्वजन बच्ची को उपचार के लिए तीन अन्य अस्पतालों में ले गए, लेकिन जटिलता के कारण वहां उपचार संभव नहीं हो सका। बच्ची की हालत को देखते हुए उसे प्रेम अस्पताल में रेफर किया। अस्पताल पहुंचते ही वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटरोलाजिस्ट डॉ. माधव और उनकी टीम ने तुरंत बच्ची की जांच की और एक्स-रे करवाया। रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि कील आंत में फंसी हुई है, जो किसी भी समय गंभीर खतरा पैदा कर सकती थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए डाक्टरों ने बिना देर किए एंडोस्कोपी से आंतरिक प्रक्रिया अपनाने का निर्णय लिया। उपचार के बाद बच्ची की हालत में तेजी से सुधार हुआ और केवल एक दिन के भीतर उसे स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी।

यमुनानगर के युवक की इटली में संदिग्ध मौत, एजेंट पर प्रताड़ना और 18 लाख की ठगी का आरोप

यमुनानगर। गांव रामखेडी निवासी 33 वर्षीय गगनप्रीत सिंह की इटली में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी मौत का पता लगते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अब परिवार उसका शव यहां लाने के लिए प्रयास कर रहा है, लेकिन आर्थिक रूप से तंग परिवार के पास रुपये नहीं है। मृतक के जीजा अमनदीप सिंह व बहन रमप्रीत कौर ने बताया कि गगनप्रीत सिंह विदेश जाने के लिए प्रयासरत था। इस बीच वर्ष 2014 में उसकी मुलाकात गांव तिहमो निवासी इंद्रसेन से हुई। आरोपित ने उसे कहा था कि वह इटली में रहता है। उसे भी अपने साथ लेकर जाएगा। इसके बाद आरोपित उसके घर आने जाने लगा। वर्ष 2023 में आरोपित ने उसे इटली जाने के लिए तैयार किया। उसके दस्तावेज लिए। लगभग 18 लाख रुपये भी आरोपित ने लिए। सात

अप्रैल को गगनप्रीत सिंह इटली चला गया। वहां इंद्रसेन के साथ ही वह खेतों में मजदूरी करने लगा। नौ माह बाद उसका वर्क वीजा खत्म हो गया। जब उसने इंद्रसेन से रुपये मांगे तो उसे रुपये नहीं दिए। किसी तरह से वह इटली में रहा। आरोपित इंद्रसेन ने उसे स्थायी कराने के नाम पर रुपये एडजस्ट करने की बात की। आरोप है कि उसके साथ मारपीट भी की गई। इस बारे में उसने फोन पर बताया था। वह अक्सर रोते हुए कहता था कि वह यहां फंस गया है। जब उसे वापस आने के लिए कहते तो वह रुपये न होने की बात कहता। साथ ही यह भी चिंता रहती कि पिता का इलाज कराना है जो रुपये पिता के पास थे, वह भी उसने यहां आने में खर्च कर दिए। कर्ज भी हो गया है। पांच फरवरी की शाम को उसके किसी साथी के फोन के माध्यम से सूचना मिली कि गगनप्रीत की मौत हो चुकी है। वह डिप्रेशन में था। रमप्रीत कौर ने बताया कि दो वर्ष तक एजेंट के खेतों में सब्जी लगवाने का कार्य कराया गया। उसे खाना तक नहीं दिया जाता था। जब उसका वर्क परमिट पूरा हुआ तो उसके रुपये नहीं दिए गए। उसे प्रताड़ित किया गया। किसी तरह से वह एजेंट इंद्रसेन के चंगुल से निकला। इस दौरान उसने सड़कों पर भीख भी मांगी। आठ माह तक गगनप्रीत सड़कों, पार्क व सार्वजनिक स्थानों में खाना मांग कर अपना गुजर बसर करता रहा। इसके बाद इटली में ही नकौला चैरिटेबल के पास रहने लग गया जहां अन्य युवक भी रहते थे। वहीं पर उसकी मौत हुई। मृतक गगनप्रीत के पिता जगदीप सिंह पिछले 18 वर्ष से बीमार हैं। चारपाई पर हैं। थोड़ी बहुत खेती है। उससे गुजारा हो रहा है।

स्टेट हाईवे की टूटी सड़क से परेशान किसान, कुरुक्षेत्र रोड पर लगाया जाम; सरकार के खिलाफ नारेबाजी

यमुनानगर – कुरुक्षेत्र स्टेट हाईवे पर सहारनपुर-पंचकूला नेशनल हाईवे से लेकर दामला तक टूटी सड़क को लेकर भारतीय किसान यूनियन (रतनमान) के बैनर तले किसानों ने आज जाम लगा दिया। किसानों का जाम करीब 30 मिनट से लगा हुआ है। किसान सड़क पर बैठे रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान किसानों से बात करने के लिए एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ व रादौर डीएसपी आशीष चौधरी बात करने के लिए मौके पर पहुंचे। लेकिन किसान उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। अधिकारी सड़क की अस्थायी मरम्मत करने का आश्वासन देने में लगे हैं। जाम लगने से यमुनानगर-कुरुक्षेत्र मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। फिलहाल जाम खोलने को लेकर किसानों व अधिकारियों के बीच

बातचीत चल रही है। भाकियू के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि दामला से लेकर यमुनानगर जाते हुए पंचकूल हाईवे तक करीब एक किलोमीटर तक सड़क की हालत बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। सड़क पर इतने बड़े गड्ढे हैं कि उनसे निकलना मुश्किल हो गया है। बारिश होने पर गड्ढों में पानी भरने से परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। रोजाना गड्ढों की वजह से कोई न कोई चोटिल हो रहा है। सड़क को ठीक करने के लिए किसानों नेताओं ने बहुत पहले अधिकारियों को सड़क को ठीक करने का निवेदन किया था। परंतु हर बार अधिकारी अनदेखी करते रहे। जिस पर किसानों ने गत सप्ताह चेतावनी दी थी कि यदि सड़क ठीक नहीं हुई तो वह जाम लगाएंगे। इसलिए आज किसानों ने दामला में सड़क पर जाम लगा दिया। जाम के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इससे पहले पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन ने गत वर्ष 15 अगस्त तक वह सड़क को पूरी तरह से ठीक करने का आश्वासन दिया था, लेकिन मौके पर कुछ नहीं हुआ। मौके पर किसान नेता प्रदीप नगला, दीप राणा नंबरदार, मान सिंह मजाफत, महेंद्र कांबोज, चमरोड़ी, यादविंद्र कांबोज जयपुर, सुभाष शर्मा, सतपाल मानकपुर, जसवीर नंबरदार, स. सुखदेव सिंह, अशोक डांगी, कुलविंद्र सिद्धू, रविंद्रपाल, सुभाष हरतौल समेत अन्य उपस्थित रहे।

50 साल पुराने भूमि विवाद में हरियाणा सरकार को राहत नहीं , हाईकोर्ट ने 27 वर्ष पुरानी अपील खारिज की; क्या है मामला?

पंचकूला। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पांच दशक पुराने भूमि विवाद का निपटारा करते हुए हरियाणा सरकार की 27 वर्ष पुरानी द्वितीय अपील खारिज कर दी और कहा कि राज्य की मनमानी या दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई नागरिकों के वैध रूप से अर्जित भूमि अधिकारों को समाप्त नहीं कर सकती। जस्टिस वीरेंद्र अग्रवाल ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि प्रशासनिक और अर्ध-न्यायिक प्राधिकरणों को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य है। विवाद अंबाला जिले के टंगैल गांव की 96 कनाल भूमि से संबंधित था, जिसे राज्य सरकार ने संत राम, दाता राम और आसा राम सहित वादियों को वर्ष 1966 से 1976 तक 10 वर्ष की लीज पर दिया था। लीज की शर्तों के अनुसार लीज अवधि समाप्त होने पर पात्र लाभार्थियों को रियायती दर पर भूमि खरीदने का अधिकार दिया गया था। वादियों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वर्ष 1976 में 40 रुपये प्रति किल्ला की दर से बिक्री राशि जमा कर भूमि खरीदने का विकल्प प्रयोग किया और संबंधित प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर लिया ।राज्य सरकार ने बाद में यह दलील दी कि भूमि केवल लीज पर दी गई थी और लीज समाप्त होने के बाद कब्जा अनधिकृत हो गया। साथ ही यह भी कहा गया कि वर्ष 1970 में इस जमीन से संबंधित कार्य पुनर्वास विभाग को हस्तांतरित कर दिए गए थे, इसलिए राजस्व अधिकारियों द्वारा जारी किया गया बिक्री प्रमाणपत्र वैध नहीं था। हाई कोर्ट ने पाया कि वर्ष 1989 में, जब इस संबंध में सिविल मुकदमा लंबित था, तब तहसीलदार (सेल्स) ने बिना वादियों

को सुनवाई का अवसर दिए ही भूमि हस्तांतरण संबंधी आवेदन खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि दूसरे पक्ष को भी सुनो का सिद्धांत प्राकृतिक न्याय का मूल आधार है और इसका उल्लंघन प्रशासनिक आदेश को अवैध बना देता है।

वादियों के पक्ष में निचली अदालतें

निचली अदालतों ने वादियों के पक्ष में फैसला सुनाया था जिसके बाद राज्य सरकार ने अपील दायर की थी।अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि सरकारी रिकार्ड में वर्ष 1975 के बयान से स्पष्ट था कि संबंधित भूमि पर नियमित खेती हो रही थी, फिर भी अधिकारियों ने उपलब्ध रिकार्ड की अनदेखी करते हुए विपरीत निष्कर्ष निकाला। न्यायालय ने इसे स्पष्ट रूप से मनमाना और रिकार्ड के विपरीत आचरण बताया। फैसले में कहा गया कि कानून के शासन के तहत प्रशासनिक शक्तियां सीमित हैं और राज्य प्राधिकरणों को न्यायसंगत तथा पारदर्शी तरीके से ही निर्णय लेने होते हैं। अदालत ने अंतत राज्य की अपील खारिज करते हुए निचली अदालतों के निर्णयों को बरकरार रखा और स्पष्ट किया कि वैध रूप से प्राप्त भूमि अधिकारों को प्रशासनिक मनमानी के आधार पर समाप्त नहीं किया जा सकता।

टी20 विश्वकप : डि लीडे के हरफनमौला प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नामीबिया को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2/20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

पहले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1/13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40/1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

मध्य ओवर बास डी लीड और लोगान वैन बीक (3 ओवर में 2/13) के नाम रहे, जिन्होंने मिलकर चार विकेट लिए। डी लीड ने खतरनाक गेरहार्ड इरास्मस और जेजे स्मिट को आउट किया। नामीबिया अंततः 20 ओवर में 156/8 के प्रतिस्पर्धी लेकिन कम स्कोर पर समाप्त हुआ। मैक्स ओ'डॉउड के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज़ के हाथों जल्दी आउट होने के बावजूद, डच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। माइकल लेविट (15 गेंदों में 28 रन) ने जल्दी बल्लेबाजी करते हुए आउट हो गए, जिससे नीदरलैंड्स का स्कोर छह ओवरों में 50/2 हो गया।

इसके बाद, बास डी लीड का जलवा रहा। कॉलिन एकरमैन (28 गेंदों में 32 रन) के साथ साझेदारी करते हुए, डी लीड ने संयम से पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाने लगे। उन्होंने मात्र 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि एकरमैन लॉफ्टी-ईटन के हाथों आउट हो गए, लेकिन परिणाम को लेकर कोई संदेह नहीं था। डी लीड (48 गेंदों में 72*) और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (9 गेंदों में 18*) ने 12 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक शानदार चौके के साथ मैच समाप्त किया।

सिफर्ट और एलन की ताबड़तोड़ पारी, न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

चेन्नई। टिम सिफर्ट (नाबाद 89) और फिन एलन (नाबाद 84) की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 92 गेंद में 175 रन की रिकॉर्ड साझेदारी ने न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में मंगलवार को यहां 28 गेंद शेष रहते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 10 विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यूएई को छह विकेट पर 173 रन पर रोकने के बाद न्यूजीलैंड ने महज 15.2 ओवर में बिना किसी नुकसान के 175 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ने इससे पहले अफगानिस्तान को हराया था। 'प्लेयर ऑफ द मैच' सिफर्ट ने 42 गेंद की नाबाद पारी में 12 चौके और तीन छक्के लगाये। एलन ने 50 गेंद की नाबाद पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाये, इसके साथ उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे किए। इस जोड़ी ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रूख अपनाते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों की 175 रन की साझेदारी टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। कप्तान मोहम्मद वसीम (नाबाद 66) और अलीशाह शराफू (55) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने छह विकेट पर 173 रन बनाए।

टी20 विश्वकप में परिवार को साथ नहीं रख पायेंगे भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टी20 विश्वकप के दौरान खिलाड़ी अपने परिवारों को साथ नहीं रख पायेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम ग्रुप स्तर के तीन मुकाबले अपनी ही धरती पर खेलेगी। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद ये नियम बना दिया था कि 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट में ही परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं। वहीं छोटे दौरे के लिए यह सीमा घटाकर केवल सात दिन कर दी गई है। टीम प्रबंधन ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में बीसीसीआई से अनुमति मामंगी थी पर बोर्ड ने जवाब दिया कि खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रह सकेंगे। रहेंगे पर अगर वे चाहें तो परिवार अलग से रह सकता है।

टीम तीन चरण में खेलगी उसे तीन मैच घर पर और एक मैच कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों के साथ पत्नियों और परिवारों को टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था।

टीम के 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद कहा गया था कि परिवार के साथ रहने से खिलाड़ी का ध्यान बंटता है और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाता। इसके अलावा, बीसीसीआई ने एक नियम और बनाया है जिसके तहत कहा गया था कि खिलाड़ियों को हर समय टीम के साथ यात्रा करनी होगी।

पीएम मोदी से मिलने के बाद रवींद्र जडेजा की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अपनी पत्नी रीवाबा जडेजा और गुजरात की ट्राइबल डेवलपमेंट, प्राइमरी, सेकेंडरी और एडल्ट एजुकेशन मिनिस्टर के साथ मंगलवार को नई दिल्ली में पार्लियामेंट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। जडेजा ने अपनी मीटिंग की तस्वीरें पोस्ट करते हुए X पर लिखा, 'माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी सर से मिलना और बातचीत करना बहुत गर्व और सम्मान की बात है। उनके विचारों की स्पष्टता, उत्साह और बेहतरीन काम के लिए कमिटमेंट बहुत प्रेरणा देने वाला है। ऐसी लीडरशिप से सीखना गर्व की बात है।'

यह मीटिंग ऐसे समय में हुई जब जडेजा भारतीय क्रिकेट के सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें सोमवार को घोषित BCCI की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट की ए ग्रेड A कैटेगरी में रखा गया है। वह टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह के साथ यह दर्जा पाने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली के 20 ओवर के खेल से रिटायरमेंट के बाद जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल मैचों से दूरी बना ली है और सबसे छोटे फॉर्मेट में अपने करियर को अलविदा कह दिया है। इस वजह से वह भारत और श्रीलंका की को-होस्टिंग में चल रहे ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की टीम का हिस्सा नहीं हैं।

टी20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न!

15 फरवरी को खेला जाएगा भारत-पाक के बीच हाई वोल्टेज मैच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने पुरुष क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ अपना तय मैच खेलने की इजाजत दे दी है। यह मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से अपने मुकाबले भारत के बजाय किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट करने की अपील की थी, लेकिन आईसीसी ने बीसीबी की अपील को ठुकरा दिया, जिसके बाद बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल किया गया।

इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पहले टीम से कहा था कि भारत के खिलाफ मैच न खेले, ताकि बांग्लादेश को समर्थन दिखाया जा सके, लेकिन आईसीसी की ओर से भारत के मैच का बहिष्कार करने की पाकिस्तान की धमकी पर कड़ा रुख अपनाने और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और श्रीलंका सरकार की ओर से पाकिस्तान से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के अनुरोध के बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पुरुष टीम को मैच खेलने

की इजाजत दे दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने बांग्लादेश और श्रीलंका के अनुरोधों के कारण अपनी टीम को 15 फरवरी का मैच खेलने की अनुमति दी है।

पाकिस्तान सरकार ने कहा, 'पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों के साथ-साथ श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सदस्य देशों के समर्थन संदेशों की समीक्षा की है। इन संदेशों में हाल की चुनौतियों का एक समाधान खोजने में पाकिस्तान के नेतृत्व की मांग की गई थी। सरकार ने बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान पर भी गौर किया। हमारे भाईचारे वाले देश की ओर से व्यक्त की गई गहरी कृतज्ञता को बहुत गर्मजोशी से स्वीकार किया गया। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि वह बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

बयान में कहा गया है, 'रविवार शाम, प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से टेलीफोन पर बात की। अपनी गर्मजोशी भरी और मैत्रीपूर्ण बातचीत के दौरान, उन्होंने याद किया कि पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया।'

सोमवार रात को पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'बहुपक्षीय चर्चा के नतीजों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान नेशनल क्रिकेट टीम को आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में अपने तय मैच के लिए 15 फरवरी 2026 को मैदान में उतरने का निर्देश देती है।'

टी20 वर्ल्ड कप के बीच श्रीलंका के लिए बुरी खबर, स्टार खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा गंभीर चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली। श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चलने के बाद हसरंगा अब टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एमआरआई रिपोर्ट को यूके के एक विशेषज्ञ ने पहले ही देख लिया था। फिलहाल, श्रीलंका टूर्नामेंट में उनकी जगह दुशान हेमंथा को शामिल कर सकता है। हसरंगा अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझते हुए भी गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड के खिलाफ श्रीलंका की 20 रन की करीबी जीत में अपने चार ओवरों में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच की दूसरी गेंद फेंकने के तुरंत बाद ही हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझते हुए हैसरंगा को परेशानी होने लगी और इस वजह से उनकी गेंदबाजी में भी दिक्कत आ रही थी। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त प्रभाव छोड़ा और श्रीलंका की पारी में अहम भूमिका निभाई, जिससे आयरलैंड 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी कुछ ओवरों में ढेर हो गया। उन्होंने रॉस एडायर, हैरी टेक्टर और कर्टिस कैम्फर जैसे खिलाड़ियों को आउट किया और गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

डी कॉक ने धोनी के एक विश्व रिकार्ड की बराबरी की

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक कनाडा के खिलाफ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर उन्होंने इस मैच में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक विश्व रिकार्ड की जरुर बराबरी कर ली। डी कॉक ने कनाडा के खिलाफ हुए मुकाबले में दो कैच पकड़े। इसी के साथ उन्होंने धोनी के टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे अधिक 32 खिलाड़ियों को आउट करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब डी कॉक के पास अगले मैच में धोनी का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

टी20 विश्वकप में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा आउट करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल हैं। कामरान ने विकेट के पीछे 30 शिकार किये हैं। वहीं वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन चौथे 27 और श्रीलंके के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा 26 शिकार के साथ ही पांचवें पायदान पर हैं। मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडन मार्करम के 59 रनों की पारी से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 213 रन बनाए। वहीं कनाडा की ओर से अंश पटेल ने 31 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन पर ही आउट हो गयी। केवल नवनीत धालीवाल ही 64 बना पाये। वहीं बाकि बल्लेबाज असफल रहे।

टी20 विश्वकप : वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के

बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा।

वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा, एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

लीमा। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा।'' साथ ही कहा, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है।'' वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

कतर ओपन : झेंग की दमदार वापसी, एंड्रीएवा अंतिम-16 में

दोहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने चोट से वापसी करते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार जीत दर्ज की। झेंग ने सोमवार को खेले गए मुकाबले में 2020 ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मैच में 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना एलिसिया पार्क्स से होगा। सितंबर पिछले साल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी टेनिस में उतरीं झेंग इस समय विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं। सीजन के अपने पहले ही मैच में उन्होंने 20 ऐस जमाकर जोरदार संदेश दिया। मैच के बाद झेंग ने कहा, 'चोट के बाद वापसी कभी पूरी तरह दर्द-मुक्त नहीं होती। लेकिन मुझे लगता है कि मेरी कोहनी सही दिशा में ठीक हो रही है। मैं अच्छी स्थिति में हूं और दो घंटे तक सर्व करते हुए खेल जारी रख सकती हूं।' उधर, पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीएवा ने राउंड ऑफ 64 में बाई मिलने के बाद अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने मग्दा लिनेट को 7-6 (7/0), 6-1 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। दिन के मुकाबलों में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। तीसरी वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा करोलिना प्लिस्कोवा के खिलाफ तीसरे सेट में पिछड़ते हुए मुकाबले से हट गईं। वहीं, पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एमा राडुकानू को भी कैमिला ओसोरियो के खिलाफ निर्णायक सेट में रिटायर होना पड़ा। मंगलवार को शीर्ष दो वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक और एलेना रयबाकिना राउंड ऑफ 32 में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। चौथी वरीयता कोको गॉफ भी सिंगल्स में अपना पहला मुकाबला खेलेंगी। गॉफ को सोमवार को उभरती स्टार विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के यू-टर्न के बाद सौरव गांगुली का बड़ा बयान, टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीतना मुश्किल

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है।

आईसीसी ने रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी और बीसीबी के साथ बैठक की, जिसमें कोलंबो में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की गई। इसके बाद, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने सोमवार को पाकिस्तान से 15 फरवरी को भारत के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मैच खेलने का आग्रह किया।

क्या दो हिस्सों में रिलीज होगी 'वाराणसी'? राजामौली ने अटकलों पर लगाया विराम

एसएस राजामौली इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। यह प्राचीन पौराणिक कथाओं पर आधारित है और रामायण से जुड़ी है। जिस दिन से इसका एलान हुआ है, तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि यह फिल्म दो हिस्सों में बनेगी। अब राजामौली ने बताया है कि इस फिल्म का पार्ट 2 आएगा या नहीं।

राजामौली ने फिल्म 'बाहुबली' को दो हिस्सों में बनाया था, इसलिए 'वाराणसी' को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह दो हिस्सों में बनेगी। हालांकि एसएस राजामौली ने लंबे समय से चल रहे इस सस्पेंस को आखिरकार खत्म कर दिया है। मीडिया से राजामौली की बातचीत सामने आई है। इसमें उन्होंने इस मामले पर अपनी बात रखी है।

क्या दो हिस्सों में बनेगी 'वाराणसी'?

नवंबर 2025 में हैदराबाद में 'वाराणसी' की झलक लॉन्च के दौरान न्यूज एजेंसी स्क्रीन रेंट से बात करते हुए राजामौली ने साफ किया कि 'वाराणसी' एक सिंगल-पार्ट फिल्म होगी। इसका रनटाइम लगभग तीन घंटे होगा। उन्होंने बताया कि टीम ने शुरू में इसे दो हिस्सों में बनाने का विचार किया था, लेकिन प्रोडक्शन शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह प्लान बदल गया। उन्होंने बताया कि उन्हें भरोसा है कि अगर दर्शक कहानी में खो जाते हैं और उसमें दिलचस्पी लेते हैं, तो रन टाइम ज्यादा लंबा नहीं लगेगा।

'वाराणसी' की स्टारकास्ट

फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदारों में होंगे। रिलीज से काफी पहले फिल्म दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। नवंबर 2025 में 'वाराणसी' की एक झलक दिखाई गई थी। इसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था।

वाराणसी के अलावा इस भारतीय फिल्म से जुड़ रही प्रियंका चोपड़ा

लंबे समय से हिंदी फिल्मों से दूर प्रियंका चोपड़ा अब सुर्खियों में आने लगी हैं। खबरें हैं कि प्रियंका चोपड़ा ऋतिक रोशन के साथ 'कृष 4' में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फैंस के लिए यह अच्छी खबर है। प्रियंका चोपड़ा 'कृष' फ्रेंचाइजी की दो फिल्मों में लीड एक्ट्रेस रही हैं।

'कृष 4' का हिस्सा होंगी प्रियंका?

फैंस लंबे समय से इस बात को लेकर कशमकश में थे कि 'कृष 4' में फीमेल लीड के तौर पर कौन होगा। अब बॉलीवुड हंगामा ने यह खबर दी है कि फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में होंगी। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

दो फिल्मों में निभाया लीड रोल

प्रियंका चोपड़ा 'कृष' से काफी पहले से जुड़ी रही हैं। दो फिल्मों में उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ अहम किरदार निभाया है। दर्शकों ने फिल्म में उनकी और ऋतिक की केमिस्ट्री को पसंद किया है। ऐसे में लगता है कि वह फिल्म में वापसी कर सकती हैं।

कौन होगा निर्देशक?

ऋतिक रोशन न सिर्फ 'कृष 4' में अभिनय करेंगे बल्कि वह इसका निर्देशन भी करेंगे। उनके निर्देशन में बनने वाली यह पहली फिल्म होगी। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि ऋतिक कैसे कैमरे के पीछे से चीजें संभालेंगे।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार फिल्म 'द स्काइ इज पिंक' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ फरहान अख्तर और जायरा वसीम थीं। इसके बाद उन्होंने विदेशी फिल्मों में काम किया। वह जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

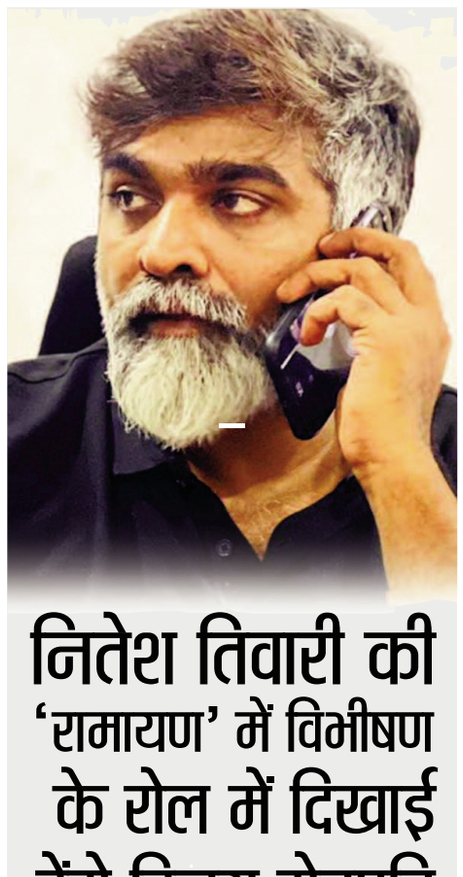

नितेश तिवारी की 'रामायण' में विभीषण के रोल में दिखाई देंगे विजय सेतुपति

फिल्म 'रामायण' को नितेश तिवारी निर्देशित कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट इस साल दिवाली पर रिलीज होगा, वहीं दूसरा पार्ट अगले साल की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा। हाल ही में फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में रणबीर कपूर जहां राम भगवान का किरदार निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्टर यश, रावण के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में एक यह खबर सामने आई है कि फिल्में विजय सेतुपति भी होंगे। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'रामायण' में विजय सेतुपति रावण के रोल भाई का रोल करेंगे वह विभीषण के रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में यह किरदार अच्छाई का प्रतीक है। फिल्म में विजय सेतुपति यह किरदार निभाएंगे, इसे लेकर मेकर्स ने अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को मेकर्स पैन इंडिया रिलीज करने वाले हैं। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं।

खाकी पहनकर 'कर्तव्य' निभाने निकले सैफ! 'गांधारी' बनीं तापसी 'टोस्टर' में उलझे राजकुमार

नेटफ्लिक्स साल 2026 में भारतीय दर्शकों मनोरंजन के लिए क्या खास पेश करने वाला है? आज मंगलवार को एक इवेंट में इसका एलान कर दिया गया है। इस बार नेटफ्लिक्स के पिटारे में काफी कुछ खास है। इसने आज करीब 21 फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठाया है। कुछ फिल्मों के टीजर जारी किए हैं, कुछ के ट्रेलर तो कुछ का एलान अनाउंसमेंट वीडियो के साथ किया गया है। इसके अलावा कुछ ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिनके फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हुए हैं।

'कर्तव्य' में खाकी पहने दिखे सैफ अली खान

नेटफ्लिक्स ने आज सैफ अली खान अभिनीत दो फिल्मों का एलान किया है। पहली फिल्म है 'हम हिंदुस्तानी'। इसका टीजर रिलीज हुआ है। सच्ची कहानी से प्रेरित इस फिल्म में भारत के पहले चुनाव की कहानी दिखाई जाएगी। वहीं, एक अन्य फिल्म है, 'कर्तव्य'। इस फिल्म में सैफ अली खान खाकी पहनकर कर्तव्य अदा करते दिखाई देंगे। नेटफ्लिक्स पर जारी पोस्टर में कैप्शन में लिखा है, 'धर्म और कर्म के युद्ध में, क्या कर्तव्य जीत पाएगा?' यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें रसिका दुग्गल और संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। सैफ अली खान की इस फिल्म के साथ एक जर्नलिस्ट अपनी एक्टिंग की पारी शुरू करने जा रहे हैं।

'गांधारी' के पोस्टर में तापसी की झलक

तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' भी नेटफ्लिक्स पर इस साल रिलीज होगी। इसका आधिकारिक एलान कर दिया गया है और साथ ही पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें तापसी पन्नू का खौफनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। 'गांधारी' के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'आपने एक मां का प्यार देखा है। अब उसके गुस्से से मिलिए'। इस फिल्म में इश्वाक सिंह भी नजर आएंगे।

'टोस्टर' का पोस्टर जारी

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'टोस्टर' का पोस्टर भी रिलीज किया गया है। यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म में अभिनेता कंजूस व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार और सान्या के अलावा फराह खान, अर्चना पूरन सिंह और अभिषेक बनर्जी भी नजर आने वाले हैं। सभी की झलक दिखाई दी है।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने खास बातचीत के दौरान अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए मेधा राणा ने कहा, ''साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढ़ने में बाधा भी बनते थे।'' उन्होंने कहा, ''जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।''

जब उनसे पूछा कि 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा निजी बदलाव क्या रहा है, तो मेधा ने कहा, ''मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।'' मेधा राणा ने कहा, ''फिल्म 'बॉर्डर 2' मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।'' उन्होंने कहा, ''अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।''

अच्छा इंसान मिल जाए तो झटपट शादी कर लूं

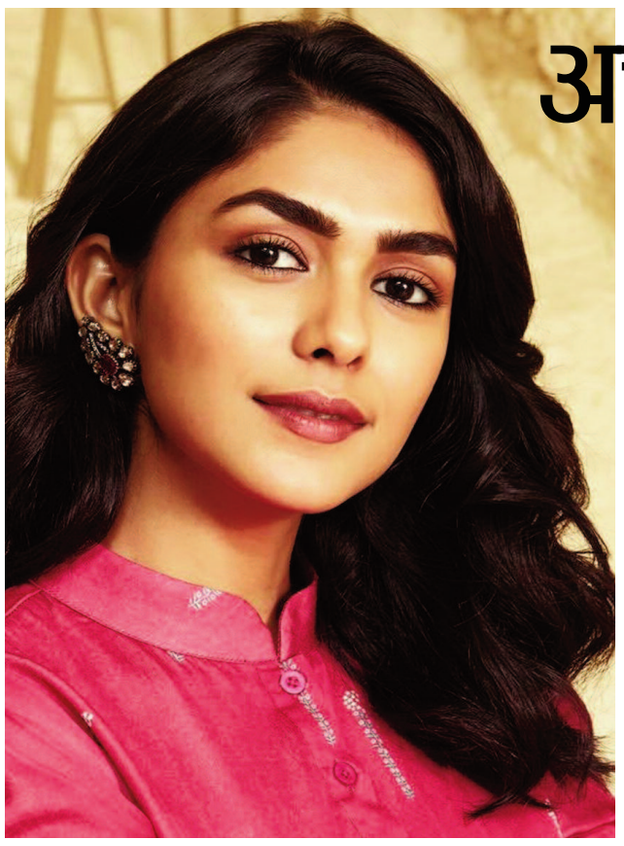

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल ठाकुर ने अपने छोटे से करियर में लंबा सफर तय किया है। मराठी फिल्म में काम कर चुकी मृणाल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के अलावा तेलुगू इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को लेकर। इस खास मुलाकात में मृणाल प्यार-मोहब्बत, शादी और जीवनसाथी पर खुल कर बात करती हैं।

ऋतिक, शाहिद और जॉन को लेकर थी पागल

अपने बचपन और ग्रोइंग इयर्स के अट्रैक्शन के बारे में वे हंसते हुए वे कहती हैं, 'वो इनफैचुएशन नहीं बल्कि ऑब्सेशन था और वो था तीन हीरोज के प्रति। मेरी किताबों में इन हीरोज के कटआउट्स हुआ करते थे। उन फोटो के कटआउट्स को मैं छिपा-छिपा कर रखती थी और वो हीरो थे, ऋतिक रोशन, शाहिद कपूर और जॉन अब्राहम। आपको हंसी आएगी सुनकर, मगर जो साड़ी के बॉक्स आते थे, उस पर मैं और मेरी बहन इन हीरोज के फोटो काट कर चिपका देते और उन्हें बुकमार्क के रूप में संजो कर रखते थे। पापा को पता चलता कि हम लोग हीरोज के पिक्स काट-काट कर लगाते हैं, तो बहुत डांट पड़ती थी कि हम पढ़ाई के बजाय ये क्या कर रहे हैं? तकदीर देखिए, इन तीनों हीरोज के साथ मुझे काम करने का मौका मिला। रितिक के साथ मैंने सुपर 30 की, शाहिद कपूर के साथ जर्सी तो जॉन अब्राहम संग बाटला हाउस। मैं और मेरी बहन कई बार एक -दूसरे को देख कर बातें करते, हम लोग कहां से आए और आज कहां पहुंच गए। वाकई कई बार चूंटी काटने को दिल करता कि क्या ये सच है। सच में रितिक, जॉन और शाहिद के साथ काम करते हुए कई बार मंत्रमुग्ध भी हुई हूं। जॉन को हम जोनेमन बुलाते हैं। वो अक्सर मेरी बहन का हाल-चाल पूछने के लिए मुझे कॉल करते हैं। शाहिद को मैं एक एक्टर के रूप में बहुत पसंद करती हूं, तो कई बार मैं इतनी खो जाती कि अपने डायलॉग्स भूल जाया करती थी। शाहिद के साथ शूटिंग के पहले ही दिन मुझे थप्पड़ मारना था, मेरा तो कल्याण ही हो गया था। मैं बहुत नर्वस थी। वाकई बहुत ही अविश्वसनीय है ये जर्नी। मेरी बहन मेरा मेकअप भी करती है, तो आज ही सुबह वो रो पड़ी थी, ये सोचा कर कि हम जिस इंडस्ट्री में यहीं, हमने उसके बारे में सोचा ही नहीं था।'

झगड़े के बाद भी वो मुझे गले लगाए

अपने भावी साथी को लेकर भी मृणाल ने हमसे बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे एक अच्छा इंसान मिल जाए, जिससे मेरा दिल भी मिले, हमारे बीच कंपैटिबलिटी हो और मुझे सारी चीजें आसान लगे, तो मैं बेशक झटपट कर लूंगी शादी। आज कल डिवोर्स रेट बढ़ गए हैं और शादियां करने से लोग कतराने लगे हैं। तो मुझे बेमेल शादी करके वो गलती नहीं करनी। मेरा तो बचपन से ख्वाब रहा है शादी करने का। मुझे लगता है शादी हर लड़की का ख्वाब होता है, मगर बस जरूरत होती है एक ऐसे इंसान की, जिसे देखकर लगे हां, यही है वो। मैं जीवनसाथी के रूप में एक ऐसा लड़का चाहती हूं, जो मेरे मामले में हार न माने। मैं जानती हूं कि कई बार मैं जरूरत से ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं। हर किसी में नेगेटिव ट्रेट्स होते हैं, मगर मुझे लगता है कि एक ऐसा इंसान हो जो भयंकर झगड़े के बावजूद मुझे गले लगाए। मृणाल रिलेशनशिप की अहमियत को समझाते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए तो रिलेशनशिप में सबसे अच्छी बड़ी बात ये है कि मैं जैसी हूं, मुझे उसी रूप में स्वीकार करें और तुम जैसे हो, मेरे लिए काफी हो। तुम्हारी खामियां मेरे लिए मायने नहीं रखती। मेरे लिए अहम है कि मैं तुम्हारे साथ खुश रहूंगी। रिलेशनशिप में एक-दूसरे का उत्थान करके अगर हम बेहतर इंसान बन पाएं, प्रोग्रेस और ग्रो करें।'

सही समय पर शादी होना जरूरी है

मृणाल ठाकुर ने शादी के बारे में अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है, चाहे वे मेरे पैरंट्स हों या किसी और के शादी के बारे में जो कहते हैं, गलत नहीं कहते। शादी समय पर होना जरूरी है। मैं पहले इस बात को नहीं समझती थी, मगर अब समझती हूं। जैसे हमारी हथेली की पांचों उंगलियां एक जैसी नहीं हो सकती, वैसे ही जिंदगी में सब कुछ एक समान नहीं हो सकता। पहले मैं सोचती थी कि करियर सेटल कर लूं तब शादी करूं, मगर अब ऐसा नहीं सोचती। हमारी इंडस्ट्री में कई हीरोइन ऐसी हैं, जिनकी शादी भी हो गई, करियर भी अच्छा चल रहा है और बच्चे भी हो गए हैं, क्योंकि आप अभी नहीं करेंगे, तो कब शादी करेंगे? मगर मैंने अपने माता-पिता को एक बात समझाई कि मुझे करने के लिए नहीं करनी शादी।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।